राष्ट्रीय हिन्दी मासिक

एक्सपर्ट टाइम्स

RNI No.- DLBIL/26/A3806

www.xperttimes.com

नईदिल्ली, बुधवार, 01 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक वर्ष– 01 अंक– (1) प्रवेशांक पृष्ठ–08 मासिक मूल्य– 50 रुपए

कानपुर एयरपोर्ट पर ट्रेनिंग के दौरान लापरवाही? जांच में खुलेंगे राज

(संवाददाता), कानपुर। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) शुक्रवार कानपुर हवाई अड्डे पर एक प्रशिक्षु पायलट के एक विमान के प्रोपेलर की चपेट में आने से चोटिल होने की घटना की जांच कर रहा है। डीजीसीए ने रविवार को एक बयान में बताया कि यह घटना प्रशिक्षु पायलट के श्ट्वन-इंजन टेकनाम पी2006टी विमान वीटी-एनबीवी से उतरने के बाद हुई। संबंधित प्रशिक्षक को जांच पूरी होने तक उड़ान प्रशिक्षण ड्यूटी से हटा दिया गया है। यह विमान उड़ान प्रशिक्षण संगठन गर्ग एविएशन का है और कानपुर (चकेरी) हवाई अड्डे पर रात्रि प्रशिक्षण उड़ान में लगा हुआ था। विमान में एक उड़ान प्रशिक्षक और एक कैडेट सवार थे। उतरने के बाद, प्रशिक्षु पायलट इंजन चालू रहते हुए विमान से उतर गई। चालू प्रोपेलर की चपेट में आने से कैडेट की पीठ में चोट लगी।

यूपी में नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

(संवाददाता), बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले की पुलिस ने एक नाबालिग लड़की से कथित दुष्कर्म के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रविवार को बताया कि मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी है। अनूपशहर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शशांक श्रीवास्तव ने बताया कि 22 जून को जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में 13 वर्षीय नाबालिग लड़की को चाकू दिखाकर आरोपी इरफान ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने शनिवार को आरोपी इरफान को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि वारदात में इस्तेमाल चाकू मंगलपुर गांव जाने वाले रास्ते के जंगल में छिपाया है।

सिक्किम में आफत की बारिश, पुल टूटने से गांवों का संपर्क ठप

(एजेंसी), गंगटोक। उत्तरी सिक्किम के जोंगू में रातभर हुई भारी बारिश के कारण एक पुल बह गया, जिससे क्षेत्र में सड़क संपर्क बाधित हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात लगातार हुई बारिश के बाद फी खोला पर बना पुल बह गया, जिससे फिदांग से सांकलांग खंड पर आवाजाही प्रभावित हुई है। मंगन के अनुमंडल अधिकारी (एसडीएम) और स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों सहित वरिष्ठ अधिकारी नुकसान का आकलन करने के लिए मौके पर पहुंचे हैं। एक अधिकारी के अनुसार, घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। लगातार हो रही बारिश से दक्षिण सिक्किम के लिंगी इलाके के अपर काव खोला क्षेत्र में भी भारी नुकसान हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के बुलेटिन के अनुसार, रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में सिक्किम में एक से दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हुई, जबकि हिमालयी राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

नजफगढ़ पुलिस की बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ के बाद 2 वांछित आरोपी गिरफ्तार

जितेन्द्र कुमार

द्वारका दिल्ली। 29 जून 2026 को द्वारका जिला पुलिस द्वारा डीसीपी कार्यालय परिसर, द्वारका, दिल्ली में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को डीसीपी, द्वारका जिला द्वारा संबोधित किया गया, जिसमें मीडिया को एक बड़ी पुलिस सफलता की जानकारी दी गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस का मुख्य विषय थाना नजफगढ़ पुलिस टीम द्वारा दो वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी रहा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह गिरफ्तारी एक संक्षिप्त मुठभेड़ (फायरिंग) के बाद संभव हो पाई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की और उन्हें पकड़ने के लिए घेराबंदी की गई।

जैसे ही पुलिस टीम ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया, उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने अत्यंत संयम और सतर्कता के साथ काम करते हुए आरोपियों को काबू में कर लिया। तस्वीर में देखा जा सकता है कि गिरफ्तार आरोपी को पुलिस टीम ने मीडिया के सामने पेश किया है, जहां आरोपी का चेहरा सुरक्षा कारणों से ढका हुआ है। उसके चारों ओर पुलिस अधिकारी मौजूद हैं, जो इस सफल ऑपरेशन की गंभीरता और पुलिस की मुस्तैदी को दर्शाता है। डीसीपी ने बताया कि इस पूरे ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीम ने बहादुरी और पेशेवर कौशल का परिचय दिया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि इस मुठभेड़ में किसी भी पुलिसकर्मी को कोई गंभीर चोट नहीं आई। यह कार्रवाई पुलिस की रणनीति और तत्परता का एक बेहतरीन उदाहरण है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके अन्य आपराधिक कनेक्शन की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये आरोपी किन-किन घटनाओं में शामिल रहे हैं। द्वारका जिला पुलिस ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि अपराध के खिलाफ उनकी मुहिम लगातार जारी रहेगी। पुलिस का कहना है कि किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। पर्यावरण कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। यह जानकारी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी। अभिजीत दिपके ने अपनी पोस्ट में कहा कि सोनम वांगचुक विद्यार्थियों को न्याय दिलाने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले सोनम वांगचुक राजघाट पहुंचे, जहां उनके साथ सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके और सौरव दास भी मौजूद रहे। इसके बाद

जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन की तैयारी की गई। रविवार सुबह अभिजीत दिपके ने लोगों से सुबह 11 बजे जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह भी दावा किया कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कई किसान नेताओं को नजरबंद किया जा रहा है, ताकि वे जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन में हिस्सा न ले सकें। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता दीपक बालियान ने बताया कि आंदोलन को देशभर के 650 से अधिक किसान संगठनों का समर्थन मिल चुका है। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों के भविष्य को देखते हुए किसान भी इस लड़ाई में साथ आए हैं। इसी के तहत आज दिल्ली में एक बड़ी खाप पंचायत आयोजित की जाएगी, जिसमें आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा होगी। आंदोलनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, पेपर लीक मामलों के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक सरकार इन मांगों पर ठोस फैसला नहीं लेती, तब तक आंदोलन और भूख हड़ताल जारी रहेगी। सोनम वांगचुक ने विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ यह आंदोलन शुरू किया है। उनका कहना है कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। फिलहाल शिक्षा मंत्रालय की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

हिंद महासागर हमारी साझा जिम्मेदारी, यूपीआई और स्वास्थ्य सहयोग पर भारत-सेशेल्स के बीच अहम समझौते

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स दौरे के दौरान कहा कि हिंद महासागर भारत और सेशेल्स के रिश्तों की मजबूत नींव है। इसकी सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे हिंद महासागर की परिकल्पना करता है, जहां समुद्री सुरक्षा के साथ आर्थिक विकास भी सुनिश्चित हो और सभी देशों के बीच समान सम्मान व विश्वास के आधार पर साझेदारी आगे बढ़े। सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी यह यात्रा ऐसे ऐतिहासिक समय पर हो रही है, जब सेशेल्स अपनी स्वतंत्रता के 50 वर्ष और भारत-सेशेल्स राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले पांच दशकों में दोनों देशों ने दोस्ती को विश्वास, विश्वास को सहयोग और सहयोग को जनकल्याण में बदला है। हिंद महासागर ने सदियों से दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और मानवीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का महासागर विजन हिंद महासागर को अवसरों का महासागर बनाने पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था चाहता है जहां समुद्री सुरक्षा के साथ आर्थिक समृद्धि भी बढ़े, साझेदारी किसी देश के आकार से नहीं बल्कि आपसी सम्मान और विश्वास से तय हो और सभी देश साथ मिलकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा, हिंद महासागर हमारा साझा घर है। इसकी सुरक्षा, सतत विकास और समृद्धि हमारी साझा जिम्मेदारी है। भारत और सेशेल्स के बीच वार्ता के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

पीएम मोदी की अपील: गणेश उत्सव में मिट्टी से बनी गणपति मूर्तियों को अपनाएं, 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि वे आगामी गणेश उत्सव में ऐसी गणपति बप्पा की मूर्तियों को प्राथमिकता दें जो भारत की मिट्टी से बनी हों और जिन्हें स्थानीय कुम्हारों एवं कलाकारों ने तैयार किया हो। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें कई लोगों ने पत्र लिखकर इस विषय पर चर्चा करने का सुझाव दिया था कि गणेश उत्सव पर अभी से जागरूकता बढ़ाई जाए, क्योंकि मूर्तियों का निर्माण कार्य पहले से ही शुरू हो जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गणपति बप्पा की मूर्तियां खरीदते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि वे प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की बजाय मिट्टी से बनी हों। उन्होंने कहा कि स्थानीय कुम्हारों द्वारा बनाई गई मिट्टी की मूर्तियों को प्राथमिकता देना देश के पारंपरिक शिल्प और कलाकारों के लिए बड़ा समर्थन होगा। पीएम मोदी ने बताया कि मिट्टी की मूर्तियां पूजा के बाद आसानी से पानी में घुल जाती हैं, जिससे नदियों और तालाबों को नुकसान नहीं होता और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है। इसके विपरीत, प्लास्टर ऑफपेरिस से बनी मूर्तियां पर्यावरण के लिए हानिकारक होती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थानीय कारीगरों से मूर्तियां खरीदना 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को मजबूती देता है और देश की अर्थव्यवस्था व पारंपरिक कला को भी समर्थन मिलता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस गणेश उत्सव और अन्य त्योहारों में भी पर्यावरण और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए।

मोदी कैबिनेट में बड़ा फेरबदल तय?

मानसून सत्र से पहले बदल सकता है पूरा समीकरण

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की मंत्रिपरिषद में जल्द फेरबदल होने की संभावना प्रतीत हो रही है। सत्तारूढ़ दल के शीर्ष स्तर से मिल रहे संकेतों के अनुसार, यह फेरबदल अब कभी भी-संभवत: संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले किया जा सकता है। इस संबंधी विचार-विमर्श की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी की नई टीम की घोषणा के साथ किया जाएगा। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व पदाधिकारियों की सूची को अंतिम रूप दे चुका है और नितिन नवीन की

टीम की घोषणा जल्द होने की संभावना है। पार्टी के युवा चेहरों को संगठन में प्रमुख पदों की जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है। भाजपा अध्यक्ष ने पिछले सप्ताह कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ भी विचार-विमर्श किया था। इस बात की प्रबल संभावना है कि कुछ केंद्रीय मंत्रियों को भाजपा में संगठनात्मक भूमिकाएं संभालने के लिए भेजा जाएगा और पार्टी के पदाधिकारियों को मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। कुछ मंत्रियों के विभाग बदले जाने की भी अटकलें हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में अनियमितताओं सहित मंत्रालय से जुड़े कई विवादों के कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। सूत्रों ने संकेत दिया कि अगर फेरबदल होता है तो यह जुलाई में कभी भी हो सकता है। संसद का मानसून सत्र आम तौर पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है। मंत्रिमंडल में फेरबदल की तारीख प्रधानमंत्री के व्यस्त कार्यक्रम को ध्यान में रखकर तय किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री 27 से 29 जून तक सेशेल्स की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके छह से 11 जुलाई के बीच इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाने की भी संभावना है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची का भी एक से तीन जुलाई तक नयी दिल्ली की यात्रा का कार्यक्रम है। सूत्रों के अनुसार, सरकार के शीर्ष अधिकारियों के बीच यह राय प्रबल हो रही है कि अहम मंत्रालयों में नए चेहरों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा क्षेत्रीय, राज्यवार, जातीय और राजनीतिक निष्ठा से जुड़े समीकरणों को ध्यान में रखकर मंत्रिपरिषद में संतुलन बनाने की राजनीतिक मजबूरियां भी हैं। दो केंद्रीय मंत्रियों पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को क्रमश: भाजपा की उत्तर प्रदेश और दिल्ली इकाई की जिम्मेदारी पहले ही दी जा चुकी है। इस बात की प्रबल संभावना है कि भाजपा एएक व्यक्ति, एक पदश् के अपने नियम का पालन करेगी जिसके कारण दोनों को सरकार से हटना पड़ सकता है।

पुणे किले हत्याकांड: आगे क्या होगा? कोर्ट की सुनवाई, कानूनी प्रक्रिया और न्याय की तलाश

जितेन्द्र कुमार

पुणे। पुणे के लोहागढ़ किले में 26 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की मौत ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। शुरूआत में इस घटना को एक दुर्घटना माना गया था, लेकिन पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर इसे कथित हत्या का मामला बताया गया। अब यह मामला अदालत की चौखट तक पहुंच चुका है, जहां जांच एजेंसियों द्वारा जुटाए गए सबूतों की कानूनी जांच होगी और न्यायिक प्रक्रिया के तहत यह तय किया जाएगा कि आरोप साबित होते हैं या नहीं। पुलिस का दावा है कि इस मामले में हत्या की योजना पहले से बनाई गई थी और इसके लिए घटनास्थल, समय और तरीके का चयन भी सोच-समझकर किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने मोबाइल फोन रिकॉर्ड, डिजिटल कम्युनिकेशन, गवाहों के बयान, फॉरेंसिक रिपोर्ट और घटनास्थल के पुनर्निर्माण जैसे कई अहम सबूत जुटाए हैं। इन सभी तथ्यों को अब अदालत में पेश किया जाएगा। भारतीय न्याय व्यवस्था के अनुसार केवल पुलिस का आरोप किसी व्यक्ति को दोषी साबित नहीं करता। अदालत में अभियोजन पक्ष को यह साबित करना होगा कि आरोपियों के खिलाफ मौजूद सबूत इतने मजबूत हैं कि उनसे अपराध संदेह से परे सिद्ध हो सके। वहीं बचाव पक्ष को भी पूरा अधिकार होगा कि वह पुलिस की जांच, गवाहों के बयान और डिजिटल सबूतों पर सवाल उठाए तथा अपने मुवक्किल की ओर से दलीलें पेश करे। इस मामले में सबसे अधिक चर्चा उस कथित 'सिटिंग सिग्नल' को लेकर हुई है, जिसके बारे में पुलिस का दावा है कि यह हत्या की योजना का हिस्सा था। हालांकि यह दावा अभी अदालत में परखा जाना बाकी है। यदि अदालत को पुलिस द्वारा प्रस्तुत सबूत विश्वसनीय लगते हैं तो यह मामला सजा तक पहुंच सकता है, लेकिन यदि सबूत पर्याप्त नहीं पाए गए तो अदालत अलग निर्णय भी दे सकती है। इस घटना ने समाज में रिश्तों, विश्वास और व्यक्तिगत संबंधों को लेकर भी कई सवाल खड़े किए हैं। जिस व्यक्ति के साथ जीवन बिताने की तैयारी हो रही थी, उसी पर साजिश में शामिल होने का आरोप लगना लोगों के लिए चौंकाने वाला रहा है। हालांकि कानून की नजर में आरोप और दोष सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं, इसलिए अंतिम फैसला अदालत ही करेगी। यह मामला आधुनिक जांच तकनीकों की अहमियत भी दिखाता है। आज मोबाइल डेटा, लोकेशन ट्रैकिंग, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल फॉरेंसिक किसी भी आपराधिक जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे मामलों में केवल प्रत्यक्षदर्शियों पर निर्भर रहने के बजाय वैज्ञानिक साक्ष्य भी जांच को मजबूत बनाते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि हाई-प्रोफाइल मामलों में मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। लेकिन किसी भी मामले में अंतिम निष्कर्ष अदालत के फैसले से पहले नहीं निकालना चाहिए। जांच एजेंसियां अपना पक्ष रखती हैं, जबकि अदालत सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ही निर्णय देती है। फिलहाल इस मामले की सुनवाई आगे बढ़ने के साथ कई नए तथ्य सामने आ सकते हैं। पुलिस यदि अतिरिक्त सबूत जुटाती है तो उन्हें भी अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा। दूसरी ओर, बचाव पक्ष भी अपनी ओर से ऐसे तथ्य रख सकता है जो पुलिस के दावों को चुनौती दें। पुणे का यह चर्चित हत्याकांड केवल एक आपराधिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह न्याय व्यवस्था, आधुनिक जांच तकनीकों और कानूनी प्रक्रिया की परीक्षा भी बन गया है। पूरे देश की नजर अब अदालत की कार्यवाही पर है, जहां उपलब्ध सबूतों और कानूनी तर्कों के आधार पर यह तय होगा कि सच्चाई क्या है और कानून किस निष्कर्ष पर पहुंचता है। जब तक अदालत अपना अंतिम फैसला नहीं सुनाती, तब तक इस मामले में लगाए गए सभी आरोप केवल आरोप ही माने जाएंगे।

एक्सपर्ट टाइम्स को सोशल मीडिया पर भी फॉलो करें। अन्य ताजा खबरें पढ़ने के लिए हमारी वेबसाइट
www.xperttimes.com
पर विजिट करें।

संपादकीय

पैदल चलने का अधिकार सर्वोपरि

सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पैदल चलने का अधिकार केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है। अदालत की यह टिप्पणी कि ÷पैदल चलने का अधिकार गाड़ी चलाने के विशेष अधिकार से बड़ा है÷ हमारे शहरी विकास मॉडल पर गंभीर सवाल खड़े करती है। विडंबना यह है कि जिन सड़कों का निर्माण जनता की सुविधा के लिए होता है, वे आज तेजी से केवल वाहनों के लिए सुरक्षित होती जा रही हैं, जबकि सबसे अधिक असुरक्षित वही नागरिक हैं जो पैदल चलते हैं। देश में वर्ष 2019 से 2024 के बीच सड़क दुर्घटनाओं में 1.8 लाख से अधिक पैदल यात्रियों की मौत होना चिंता का विषय है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर हर तीसरे पैदल यात्री की जान जाना इस बात का प्रमाण है कि सड़क नियोजन में पैदल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी गई। फुटपाथों पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था ने आम नागरिकों का सुरक्षित आवागमन कठिन बना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत आवागमन और जीवन के अधिकार की व्यापक व्याख्या करते हुए पैदल चलने को गरिमापूर्ण जीवन का हिस्सा माना है। यह फैसला केवल कानूनी आदेश नहीं, बल्कि विकास की उस अवधारणा पर पुनर्विचार का अवसर है जिसमें सड़कें वाहनों के लिए तो चौड़ी होती गईं, लेकिन पैदल चलने वालों के लिए जगह लगातार सिकुड़ती गई। हालांकि इस फैसले को लागू करना आसान नहीं होगा। फुटपाथों पर आजीविका कमाने वाले रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों के अधिकार भी संविधान और कानून से संरक्षित हैं। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह दोनों पक्षों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करे। अवैध अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ स्ट्रीट वेंडरों के लिए वैकल्पिक और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराना भी आवश्यक होगा। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए जाने चाहिए। स्कूलों के खुलने और बंद होने के समय वाहनों के प्रवेश पर सीमित रोक, सुरक्षित फुटपाथ, जेब्रा क्रॉसिंग और सख्त यातायात नियम बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न जवाबदेही का है। अदालत के निर्देश तभी प्रभावी होंगे जब केंद्र, राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय उन्हें गंभीरता से लागू करें। सड़क निर्माण की सफलता केवल वाहनों की गति से नहीं, बल्कि इस बात से भी मापी जानी चाहिए कि आम नागरिक बिना भय के कितनी सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से पैदल चल सकता है।

विकास का वास्तविक अर्थ वही है, जिसमें सबसे कमजोर और सबसे सामान्य नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित हो। यदि सड़क पर पैदल चलने वाला व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करता, तो आधुनिक बुनियादी ढांचे के सभी दावे अधूरे हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय सरकारों के लिए चेतावनी और समाज के लिए आत्ममंथन का अवसर है। अब आवश्यकता नए नियमों से अधिक उनके प्रभावी क्रियान्वयन और जवाबदेही की है।

राम के नाम पर लूटःएक था रामालय ट्रस्ट

आचार्य संजय तिवारी

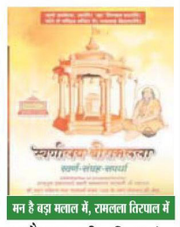

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे और दान में गड़बड़ी को लेकर व्यापक बहस चल रही। इस बहस में वे लोग काफी बढ़ चढ़ कर आगे आ रहे जिन्होंने या तो राम के अस्तित्व पर सवाल उठाये थे उस राम मंदिर के निर्माण में बढ़ चढ़ कर बाधा डाली थी। मंदिर के चढ़ावे में हुई गड़बड़ी की जांच चल रही, ट्रस्ट के दो लोगों ने इस्तीफा सौंप दिया और कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। इसी के साथ एक गंभीर प्रश्न और खड़ा हुआ है। श्री राम जन्मभूमि के लिए ही एक रामालय ट्रस्ट भी बना था। उस ट्रस्ट को भी बहुत दान मिला। वह ट्रस्ट बनाने वालों ने वादा किया था कि दान का प्रयोग राम मंदिर के निर्माण में होगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। आखिर उस दान का क्या हुआ? उस ट्रस्ट और उसकी चंदा उगाही का क्या हुआ, इस पर अब दृष्टि डालने का समय है। अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि पर स्व राजीव गांधी जी के शिलान्यास करने के बाद 1994 में रामालय ट्रस्ट का गठन किया गया था जिसने 2019 तक राम मंदिर बनाने के नाम पर चंदा लिया है। इसके मुख्य ट्रस्टी उस समय के द्वारिका पीठाधीश्वर श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज थे। एक सदस्य इसमें रामानंदाचार्य रामनरेशाचार्य जी महाराज भी थे। कुल 25 सदस्य थे, जिन्होंने राम मंदिर बनाने का दावा किया था किंतु राम जन्मभूमि न्यास का गठन होने पर यह ट्रस्ट निष्क्रिय हो गया, इसका चंदा कहां गया। इसका भी पता लगाया जाना चाहिए। रामालय ट्रस्ट द्वारा 1,008 किलो सोना जुटाने का अभियान घोषित और प्रचारित हुआ था, लेकिन सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह स्पष्ट नहीं है कि कुल कितना सोना वास्तव में एकत्र हुआ, उसका अंतिम हिसाब क्या है, और वह कहाँ है। इस पर पारदर्शी सार्वजनिक ऑडिट रिपोर्ट फिलहाल उपलब्ध नहीं दिखती। जितना सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है, उसके आधार पर स्थिति यह है कि रामालय ट्रस्ट का 1,008 किलो सोना अभियान वास्तविक था। फरवरी 2020 में रामालय ट्रस्ट के सचिव स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने स्वर्ण संग्रह सपर्या अभियान की घोषणा की थी। दावा था कि 7 लाख गांवों से 1,008 किलो सोना एकत्र किया जाएगा। इसमें 108 किलो सोने से अस्थायी स्वर्णालय बनाया जाना था और 900 किलो बाद में भव्य राम मंदिर के लिए समर्पित किया जाना था। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रिकॉर्ड में यह नहीं मिलता कि वास्तव में कितना सोना एकत्र हुआ; वह किस बैंक लॉकर, ट्रस्ट खाते या सुरक्षित भंडारण में रखा गया; उसका वैधानिक ऑडिट हुआ या नहीं; उसकी कोई वार्षिक रिपोर्ट, सार्वजनिक बैलेंस शीट या उपयोग का विवरण जारी किया गया।

मोदी बोलें या मौन रहें, चुभन तो होगी

सियाराम पांडेय 'शांत'

देश को प्रेरित करने वाले उनके वाक्यों में भी कुछ लोग राजनीति के दीदार करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है कि जाकी रही भावना जैसी। प्रभु मूरत देखी तिन्ह तैसी। प्रधानमंत्री मोदी के साथ भी कुछ ऐसा ही है। उनके जितने प्रशंसक हैं, उतने ही विरोधी भी हैं। इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता। विरोधियों के आरोपों के कीचड़ में कमल खिलाने के गुर उन्हें पता है। विपक्ष को यह समझना होगा कि पहाड़ जितना ऊंचा होता है, उतनी ही गहरी उसकी खाई होती है। पहाड़ पर चढ़ना आसान होता है लेकिन उसकी छोटी पर बने रहना कठिन क्योंकि शीर्ष से गिरे व्यक्ति को वहां तक पहुंचने में उतना ही श्रम फिर करना पड़ता है। कांग्रेस को यह बात समझनी होगी। दूसरों को कोसने से बात नहीं बनेगी बल्कि अपने गुण-दोष पहचान कर पूरी शक्ति से आगे बढ़ना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब बोलते हैं तो कुछ लोग परेशान हो उठते हैं और जब वे मौन हो जाते हैं, तब भी ऐसा ही कुछ मंजर देखने को मिलता है। देश को प्रेरित करने वाले उनके वाक्यों में भी कुछ लोग राजनीति के दीदार करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है कि जाकी रही भावना जैसी। प्रभु मूरत देखी तिन्ह तैसी। प्रधानमंत्री मोदी के साथ भी कुछ ऐसा ही है। उनके जितने प्रशंसक हैं, उतने ही विरोधी भी हैं। इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता। विरोधियों के आरोपों के कीचड़ में कमल खिलाने के गुर उन्हें पता है। विपक्ष को यह समझना होगा कि पहाड़ जितना ऊंचा होता है, उतनी ही गहरी उसकी खाई होती है। पहाड़ पर चढ़ना आसान होता है लेकिन उसकी छोटी पर बने रहना कठिन क्योंकि शीर्ष से गिरे व्यक्ति को वहां तक पहुंचने में उतना ही श्रम फिर करना पड़ता है। कांग्रेस को यह बात समझनी होगी। दूसरों को कोसने से बात नहीं बनेगी बल्कि अपने गुण-दोष पहचान कर पूरी शक्ति से आगे बढ़ना होगा। दूसरों को कोसने से बात नहीं बनेगी बल्कि अपने गुण-दोष पहचान कर पूरी शक्ति से आगे बढ़ना होगा। दूसरों को कोसने से बात नहीं बनेगी बल्कि अपने गुण-दोष पहचान कर पूरी शक्ति से आगे बढ़ना होगा। दूसरों को कोसने से बात नहीं बनेगी बल्कि अपने गुण-दोष पहचान कर पूरी शक्ति से आगे बढ़ना होगा।

धर्मग्रंथ बताते हैं कि द्रौपदी का एक मजाक महाभारत का सबब बन गया था। वैसे भी जब दो अजीज दोस्तों के बीच झगड़ा हो। दोनों एक-दूसरे के खून के प्यासे हो जाएं तो ऐसी हालत में चुप्पी साध लेना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ भी बोलने का मतलब है, एक की नाराजगी मोल लेना। बहुधा देखने को मिलता है कि झगड़ा छुड़ाने के चक्कर में मध्यस्थ की ही जान चली जाती है। दो सांडों के संघर्ष में बचकर निकल लेने में ही भलाई है। नीति कहती है कि ज्यादा बोलना और ज्यादा चुप रहना ठीक नहीं है। 'अति का भला न बोलना, अति का भला न चुप। अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।' संस्कृत ग्रंथों में 'अति सर्वत्र' वर्जयेत कहकर हर व्यक्ति को सतर्क किया गया है।

मौन साधना है। शक्ति संचय का अवसर है लेकिन किसके लिए। कुछ लोगों का जवाब होगा- साधकों के लिए और कुछ लोग कह सकते हैं कि सबके लिए। वैसे तो दोनों जवाब अपनी जगह सही है। बोलना और मौन रहना दोनों जरूरी है क्योंकि यह हानि-लाभ से जुड़ा मामला है। सुविधा और असुविधा के संतुलन से जुड़ा प्रकरण है। इसलिए इसे हल्के में लेने की कतई जरूरत नहीं है। हर नागरिक को बोलने और न बोलने का औचित्य समझना चाहिए। कब बोलना है, कहां बोलना है। कितना बोलना है, क्या बोलना है और क्यों बोलना है, इसकी वैज्ञानिक योजना तो हर आम और खास के मस्तिष्क में होनी ही चाहिए अन्यथा स्थितियां अनर्थकारी हो सकती हैं।

वीणा के तारों को ज्यादा कसने पर जिस तरह उनके टूटने का खतरा रहता है। ढोलक की डोर कसते हुए उसे सुर में लाते वक्त कस कर ठोंकने पर जिस तरह उसके टूटने का खतरा रहता है, वैसा ही खतरा देश-विदेश में होने वाली घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देने में होता है। सत्ताशीर्ष पर बैठे लोगों को कुछ भी कहने से पूर्व उसके फलाफल का विचार जरूर करना चाहिए। क्योंकि जितने खतरे बोलने के होते हैं, उससे कम खतरे मौन के भी नहीं है। आजकल विपक्षी दल चाहते हैं कि देश-विदेश में होने वाली हर छोटी-मोटी घटना पर प्रधानमंत्री बिना एक मिनट का विलंब किए जवाब दें। विपक्ष की बात में कुछ हद तक दम हो सकता है लेकिन क्या प्रधानमंत्री को ऐसा करना चाहिए। यह देश के व्यापक हित में होगा, यह गहन आत्म मंथन का विषय है।

चुप्पी सभी को खलती है। विपक्ष इसका अपवाद नहीं हो सकता। फिर यह अपेक्षा उस प्रधानमंत्री से है जो बोलते ही रहते हैं। लोग अपने मन की बात छिपाते हैं और वह उसे भी रेडियो पर व्यक्त करते हैं लेकिन महत्व के मुद्दों पर जब वे मौन साध लेते हैं तो किसी भी व्यक्ति का शंकासिक्त हो उठना स्वाभाविक है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपने एक लेख में कहा है कि इजराइल द्वारा गाजा में किए जा रहे हमले पर मोदी सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता नैतिक रूप से निंदनीय व राष्ट्रीय हित की दृष्टि से समझ से परे है। उनका आरोप है कि मोदी सरकार ने खुद को अपने पारंपरिक सहयोगियों फिलिस्तीन, ईरान और वृहद पश्चिम एशिया से अलग-थलग कर लिया है। वैश्विक जनमत से दूरी बना ली है और पाकिस्तान को मध्यस्थ की भूमिका निभाने का अवसर दे दिया। कांग्रेस नेता इस तरह की बातें लंबे समय से कर रहे हैं कि मोदी सरकार में भारत की विदेश नीति कमजोर हुई है लेकिन जिस तरीके से प्रधानमंत्री मोदी को अनेक देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिल चुके हैं और अनवरत मिलते जा रहे हैं, उससे ऐसा तो नहीं लगता कि हम वैदेशिक कूटनीति के मोर्चे पर कहीं कमजोर हुए हैं।

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच भी भारतीय तेल टैंकर बंद पड़े होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से गुजरकर भारत पहुंचे हैं। हां, कुछेक तेलवाहक जहाजों पर हमले भी हुए हैं। कुछ दूसरे देशों के तेलवाहक जहाजों पर कभी ईरान और कभी अमेरिका की ओर से हमले भी हुए हैं और उस पर तैनात कुछ भारतीय नाविकों की मौत भी हुई है। इस पर भी विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की है। यह जानते हुए भी इसके लिए भारत सरकार कड़ा प्रतिवाद कर चुकी है और अमेरिकी राजदूत को तलब तक कर चुकी है। जबकि कांग्रेस या अन्य विरोधी दलों को पता है कि भारत के लोग दुनिया भर में काम करते हैं। किसी भी देश में कुछ भी होता है तो उसमें भारतीय नागरिकों के हताहत होने का खतरा होता है। भारत को तेल आदि बहुतेरी वस्तुओं को किसी न किसी देश से आयात करना पड़ता है। ऐसे में वह किसी एक देश के पक्ष में बोलकर दूसरे देश से बिगाड़ क्यों करना चाहेगा? लेकिन जिस तरह कांग्रेस या दूसरे राजनीतिक दल मोदी सरकार को घेर रहे हैं, उससे यही लगता है कि या तो वे भारत की आवश्यकताओं और समस्याओं से अनभिज्ञ हैं या फिर जानबूझकर उसे जलती आग में हाथ डालने की सलाह दे रहे हैं। हालांकि ऐसा करने में चित और पट दोनों विपक्ष के हित में है।

देश के हितों की चिंता करने वाला व्यक्ति ऐसी सलाह कभी नहीं देगा। यह इस बात का भी संकेत है कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस के लिए भारत की विदेश नीति से अधिक वोटबैंक की राजनीति महत्वपूर्ण है। भारत ने गाजा और फिलिस्तीन के मुद्दे पर कई अवसरों पर अपना स्पष्ट रुख रखा है और ठोस मानवीय सहायता भी उपलब्ध कराई है। संयुक्त राष्ट्र के युद्धविराम संबंधी प्रस्तावों के समर्थन में भारत का रुख किसी से छिपा नहीं है। फिलिस्तीन अगर भारत को अपना विरोधी समझता तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिलिस्तीन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान क्यों देता? विचार तो इस पर भी किया जाना चाहिए। भारत ने गाजा और फिलिस्तीन के मुद्दे पर कई अवसरों पर अपना स्पष्ट रुख रखा है और उसे ठोस मानवीय सहायता उपलब्ध कराई है। वैश्विक संघर्षों में आमने-सामने खड़े देशों के साथ भी समान रूप से संबंध बनाए रखने की प्रधानमंत्री मोदी की निरंतर कोशिश रही है। इजराइल, फिलिस्तीन, ईरान, अमेरिका, रूस, यूक्रेन और पश्चिमी देशों से भारत का सतत संवाद संपर्क इस बात का प्रमाण है। अब तो दुनिया के देश भी यह स्वीकार कर रहे हैं। युद्धरत देशों में शांति बहाल करने में भारत की बड़ी भूमिका हो सकती है।

एक रुपया-अर्थ भी, आस्था भी

के विश्वदेव राव

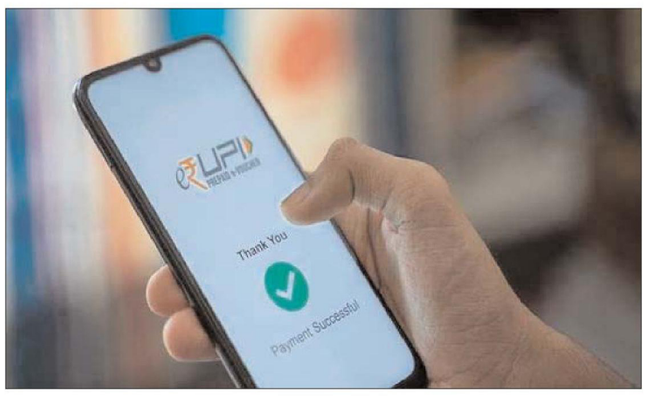

आज जब देश में यूपीआई (PI) भुगतान और डिजिटल लेन-देन की धूम है, तब भी भारतीय अर्थव्यवस्था और संस्कृति की नींव में एक छोटा-सा सिक्का अपनी अमिट उपस्थिति दर्ज कराए हुए है और वह है हमारा एक रुपये का सिक्का। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की हालिया वार्षिक रिपोर्ट (2025-26) के उल्लेखनीय आँकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 तक देश में लगभग 5,499 करोड़ एक रुपये के सिक्के प्रचलन में थे, जो बाज़ार में उपलब्ध कुल सिक्कों का 38.4 प्रतिशत है।

यह आँकड़ा इस बात का प्रमाण है कि कॉर्पोरेट जगत की आकर्षक मूल्य-निर्धारण नीति, जैसे 99, 199 या 101 और दैनिक जीवन के छोटे-मोटे लेन-देन ने इस सिक्के को आज भी उतना ही प्रासंगिक बनाए रखा है, जितना यह दशकों पहले था।

भारतीय संस्कृति में धन को महज़ भौतिक संपत्ति या कागज़ का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि साक्षात् देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। अनादि काल से सिक्कों का संबंध केवल व्यापार से नहीं, बल्कि मानवीय आस्था और सांस्कृतिक संस्कारों से भी रहा है।

हिंदू धर्मग्रंथों में दान की महिमा सर्वोपरि मानी गई है। कोई भी पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान तब तक पूर्ण नहीं होता, जब तक श्रद्धापूर्वक दक्षिणा में एक सिक्का न चढ़ाया जाए। भावना सच्ची हो तो यह अल्प-सा सिक्का भी महादान का पुण्य प्रदान करता है।

विवाह में, गृह प्रवेश में अथवा किसी नए कार्य के शुभारंभ पर ?11, ?21, ?51 या 101 का शगुन देने की परंपरा सदियों पुरानी है। लिफाफे में रखा वह एक रुपये का सिक्का घर में सुख-समृद्धि और बरकत का प्रतीक माना जाता है। आज भी लोग अपनी तिजोरियों और पूजा-स्थलों पर इसे सौभाग्य की निशानी के रूप में संजोकर रखते हैं।

प्राचीन भारत में जब सोने, चाँदी और ताँबे के पण तथा कार्षापण प्रचलित थे, तब भी दैनिक आवश्यकताओं और धार्मिक अर्पण के लिए लघु मूल्य के सिक्कों का ही प्रयोग होता था। आज का स्टेनलेस स्टील का यह सिक्का उसी गौरवशाली परंपरा का आधुनिक रूप है।

धातु को युगों से ÷पृथ्वी का सार÷ माना जाता रहा है। यही कारण है कि भारत ही नहीं, विश्व के सभी प्रमुख धर्मों और प्राचीन सभ्यताओं में सिक्कों को एक पवित्र माध्यम के रूप में स्वीकार किया गया है। ईसाई धर्म में सिक्कों का उल्लेख प्रायः त्याग और आध्यात्मिक परीक्षा के संदर्भ में आता है। बाइबिल में ईसा मसीह का वह प्रसिद्ध वचन सीज़र का जो है वो सीज़र को दो, और ईश्वर का जो है वो ईश्वर को एक डेनारियस सिक्के के माध्यम से ही व्यक्त हुआ था। यह प्रसंग सांसारिक दायित्व और आध्यात्मिक कर्तव्य के बीच के सूक्ष्म अंतर को रेखांकित करता है। इसके अतिरिक्त, चर्चों में भेंट स्वरूप सिक्के अर्पित करने की प्रथा सदियों पुरानी है, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है।

इस्लाम के पाँच स्तंभों में से एक ज़कात अर्थात् दान का विधान है। प्राचीन काल से स्वर्ण (दीनार) और रजत (दिरहम) सिक्कों को विशेष महत्त्व दिया गया है। धातु के सिक्कों का अपना एक आंतरिक मूल्य होता है, जो इस्लामिक वित्तीय सिद्धांतों के सर्वथा अनुकूल है। सिख धर्म में भी सिक्कों का इतिहास संप्रभुता और गहरी आध्यात्मिक आस्था की गाथा कहता है। सिख इतिहास में सिक्कों का उपयोग कभी किसी शासक की व्यक्तिगत महिमा के लिए नहीं, बल्कि गुरुओं के दिव्य राज्य की अभिव्यक्ति के लिए किया गया। सन् 1710 में मुगलों पर विजय और प्रथम सिख राज्य की स्थापना के पश्चात् बाबा बंदा सिंह बहादुर ने जो ऐतिहासिक सिक्के जारी किए, उन पर किसी राजा या सेनापति का नाम नहीं था, बल्कि फ़ारसी भाषा में गुरु नानक देव जी और गुरु गोबिंद सिंह जी की पावन स्तुतियाँ उत्कीर्ण थीं।

यहूदी धर्म में माचज़ति हाशेकल (आधा शेकेल) का सिक्का अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। प्राचीन मंदिर में प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह सिक्का दान के रूप में अर्पित करना अनिवार्य था। आज भी पुरिम पर्व पर तीन सिक्के दान करने की परंपरा उसी पुरातन विधि का स्मरण कराती है। यहाँ धातु के सिक्के को सामुदायिक एकता और ईश्वर के प्रति समर्पण का प्रतीक माना जाता है।

प्राचीन यूनान और रोम के सिक्कों पर देवी-देवताओं की आकृतियाँ उत्कीर्ण होती थीं। वहाँ की मान्यता थी कि सिक्का केवल विनिमय का साधन नहीं, बल्कि देवताओं के आशीर्वाद का वाहक भी है। यूनानी संस्कृति में दिवंगत व्यक्ति की आँखों पर या मुख में एक सिक्का, चारन का सिक्का रखने की प्रथा थी, ताकि वह परलोक की यात्रा का मूल्य चुका सके। यह परंपरा इस बात की साक्षी है कि धातु के सिक्के को लौकिक और पारलौकिक, दोनों जगत् में असाधारण शक्ति का धारक माना जाता था।

आर0बी0आई का यह सुस्पष्ट रुख कि एक रुपये का सिक्का पूर्णतः %टिकाऊ% है और इसे कभी वापस नहीं लिया जाएगा, महज़ एक आर्थिक दृष्टिकोण नहीं है। वस्तुतः यह सिक्का आर्थिक और आध्यात्मिक, दोनों धरातलों पर समान रूप से अजेय है।

यह सिक्का जितना व्यावहारिक है, उतना ही आध्यात्मिक भी। एक ओर यह मॉल में ?99 की वस्तु खरीदने में सहायक होता है, तो दूसरी ओर किसी मंदिर की हुंडी में, मस्जिद के दानपात्र में अथवा चर्च की भेंट में आपकी अगाध श्रद्धा का सेतु बन जाता है।

चाहे प्राचीन काल का स्वर्ण सिक्का हो या आज का स्टेनलेस स्टील का एक रुपया, धातु का यह क्षुद्र टुकड़ा मानव सभ्यता के इतिहास में सदैव विश्वास, मूल्य और पवित्रता का प्रतीक रहा है। जब तक मानव-जीवन में लेन-देन और आस्था का अस्तित्व है, एक रुपये के इस सिक्के की बादशाहत भी अक्षुण्ण बनी रहेगी।

चुनाव 2027: जीत के लिए सरगर्मियां शुरु, पर लोक भलाई का एजैंडा नहीं

मंगत राम पासला

साल 2027 में होने जा रहे पंजाब विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के लिए प्रांत के सभी राजनीतिक दलों ने सरगर्मियां शुरू कर दी हैं। एक तरफ 'आप', कांग्रेस, बसपा और अकाली दल के विभिन्न धड़े सत्ता पर कब्जा करने के लिए हर तरह के पापड़ बेल रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा भी ये चुनाव जीतने के लिए कई हैरान करने वाले, लेकिन संदेह से भरे पैंतरे अपना रही है।

भाजपा, राजनीतिक अवसरवाद और दोहरे मानदंडों के मामले में भी कई नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इसने सत्ता का डर दिखाकर और धन के लालच के अधीन दल-बदल के निंदनीय चलन को एक 'जायज राजनीतिक सिद्धांत' बना दिया है। साथ ही विभिन्न डेरों के प्रमुखों को भी काबू कर लिया है, ताकि लोगों की धार्मिक आस्था को वोट के रूप में खरीदा जा सके। मनुवाद के इन सूत्रधारों के मनों में आजकल दलितों, विशेषकर वाल्मीकि भाईचारे के प्रति भी खासा 'मोह' जागा हुआ है। जबकि आम जीवन में संघ समर्थित भाजपाई, दलितों के साथ खान-पान के बर्तनों, जल स्रोतों और श्मशान घाटों की सांझ बनाने के भी सख्त खिलाफ हैं। पंजाब के कम्युनिस्टों ने आर.एस.एस. की सांप्रदायिक-फासीवादी विचारधारा के खिलाफ जन-चेतना तेज करने और वामपंथ की मजबूती के लिए सार्वजनिक गतिविधियां तेज कर दी हैं, ताकि भाजपा का पंजाब की सत्ता पर कब्जा करने का हर प्रयास असफल किया जा सके। पंजाब के चुनाव तब होने जा रहे हैं, जब संघ परिवार द्वारा मोदी सरकार के बीते 12 साल के निकम्मे कार्यकाल का जश्न मनाया जा रहा है।

मोदी सरकार के कामकाज और बोल-वाणी में दिन-प्रतिदिन बेलगाम बढ़ रही डीजल-पैट्रोल और रसोई गैस की कीमतों, कृषि के लिए अत्यंत आवश्यक खाद की भारी किल्लत, रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे करोड़ों युवाओं की आहत संवेदनाओं, दो वक्त की रोटी के साधन जुटाने की चिंताओं में दिन काट रहे गरीबों के प्रति न कोई फिक्र दिखाई देती है और न ही इन दुखों के उचित समाधान के लिए कोई सार्थक नीतिगत ढांचा तैयार करने की इच्छा नजर आती है। अमीरी-गरीबी की खतरनाक हद तक बढ़ती खाई और भारतीय मुद्रा की निरंतर गिरती कीमत निकट भविष्य में देश के लिए किसी बड़ी विपदा का कारण बन सकती है। साम्राज्यवाद निर्देशित नव-उदारवादी नीतिगत ढांचे का पिछलग्गू बनने और अमरीका, यूरोपीय संघ व दूसरे पूंजीवादी देशों के साथ असमान शर्तों के तहत किए जा रहे 'विदेशी व्यापार समझौते', भारत जैसे आर्थिक रूप से पिछड़े देश के लिए निश्चित रूप से घातक सिद्ध होंगे। पंजाब,पानी की बढ़ती किल्लत और घटती गुणवत्ता, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और नशे के रुझान, गैंगस्टरवाद, दिन-प्रतिदिन बढ़ते अपराधों और प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के कारण लगातार गिरावट की ओर धंसता जा रहा है। राजनीतिक अवसरवाद और बढ़ते भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सरकारें चला रहे आज के राजनेता और नौकरशाह सत्ता का आनंद लेने और भ्रष्टाचार के माध्यम से बेहिसाब माया इकट्ठा करने की होड़ में लगे हुए हैं। समाज के प्रति अपने संवेदनहीन रवैये के कारण, आम जनता का कुछ भला सोचने या करने का इनके पास न तो समय है और न ही इनका ऐसा कोई इरादा है। विधानसभा चुनावों के दौरान सिखों के वोट हासिल करने के लिए आर.एस.एस.ए भाजपा और संघ परिवार ने तो राजनीतिक-वैचारिक अवसरवाद की सारी सीमाएं ही लांघ दी हैं। 6 जून 1984 को घटित हृदय विदारक 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को सभी लोग, विशेषकर सिख जनसमूह कभी भी भुला नहीं सकते। अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण ऑपरेशन 'ब्लू स्टार' के खिलाफ रोष प्रकट करने के लिए 'दमदमी टकसाल' के मुख्यालय मेहता चौक पर हर साल धार्मिक समागम आयोजित किए जाते हैं। इस साल, 6 जून 2026 को आयोजित ऐसे ही एक समागम में पहुंचकर भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र राज्य सरकार के एक मंत्री 'श्रीमान' गिरीश महाजन ने उन सभी को हैरान-परेशान कर दिया है जो हिंदू राष्ट्र की पैरोकार भाजपा और खालिस्तान की समर्थक दमदमी टकसाल को अब तक एक-दूसरे का दुश्मन समझते आए हैं।

मंत्री जी ने अपने भाषण में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दिवंगत श्रीमती इंदिरा गांधी को पानी पी-पीकर कोसा था। इतना ही नहीं, मंत्री साहब ने भारतीय सेना की गोलीबारी में मारे गए उन सशस्त्र व्यक्तियों को 'शहीद' के दर्जे से भी नवाजा, जिन्हें भाजपा नेता अब तक आतंकवादी और देशद्रोही कहते रहे हैं। डुहमारी शिकायत सिर्फ भाजपा नेता के भाषण को लेकर नहीं है, बल्कि संघ-भाजपा के दो मुंहे चरित्र और सिखों के वोट हासिल करने के लिए इनके द्वारा चली जा रही कुचालों को लेकर है। याद रहे, पंजाब के काले दौर में संघी और भाजपाई नेता आम सिखों और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने वाले मुट्ठी भर सशस्त्र खालिस्तानियों के बीच कोई अंतर नहीं समझते थे। तब ये समय की सरकारों को सभी सिखों से सख्ती से निपटने की सलाह देते रहे थे। पंजाब की सत्ता पर भाजपा का कब्जा होने का अर्थ यहां के लोगों के मनों के अंदर भाईचारे, सांप्रदायिक सद्भाव और मिलजुलकर शांतिपूर्वक जीने की संस्कृति को तबाह करना होगा। संघ-भाजपा की इस खतरनाक साजिश को विफल करने के लिए पंजाब वासियों के पास राजनीतिक और वैचारिक विधान भी है, अपनी समृद्ध संस्कृति, बलिदानों से भरा गौरवमयी इतिहास और सिख गुरु साहिबान व भक्ति आंदोलन के महान मार्गदर्शकों द्वारा रचित मानवीय वाणी का खजाना भी है। पंजाबी, गदरी बाबों और शहीद-ए-आजम भगत सिंह व उनके साथियों की सांझीवालता (समानता)वाला समाज बनाने के लिए स्थापित की गई बलिदानों की बेमिसाल विरासत के मालिक भी हैं। इसके बल पर ये सांप्रदायिक-फासीवादी, विभाजनकारी सोच वाली संघ-भाजपा जैसी नकारात्मक ताकतों को हर क्षेत्र में मात दे सकते हैं।

पहली मोहब्बत अधूरी, फिर टूटी सगाई...हर मोड़ पर टूटा करिश्मा कपूर का दिल, बहुत दर्द भरी है बॉलीवुड की लोलो की लव लाइफ

आज करिश्मा कपूर का नाम किसी इंट्रोडक्शन का मोहताज नहीं है। उनक नाम आज तक की सबसे बेस्ट एक्ट्रेस में आता है। अपने करियर में उन्होंने इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। आज भी लोग लोग उन्हें उतना ही प्यार करते हैं, जितना पहले करते थे। करियर के साथ-साथ करिश्मा कपूर की पर्सनल लाइफभी काफी सुर्खियों में रही है। खूबसूरती, डांस और अदाकारी के बलबूते करिश्मा कपूर ने इंडस्ट्री में अपना बहुत नाम कमाया। उन्हें अपने जीवन में सब कुछ हासिल किया, जो हर एक कलाकार चाहता है लेकिन दूसरी तरफ उनकी लव लाइफ की बात करें तो उन्होंने इस दौरान काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इंडस्ट्री में आए दिन उनके अफेयर्स के चर्चे होते रहते थे लेकिन कोई भी प्यार उनका शादी के पड़ाव तक नहीं पहुंचा। एक बार तो उनकी सगाई भी हो गई थी लेकिन वो भी टूट गई। इसके बाद उन्होंने संजय कपूर के साथ सात फेरे लिए लेकिन उनका अंजाम भी तलाक निकला। रिपोर्ट्स के मुताबिक करिश्मा कपूर का नाम सबसे पहले अजय देवगन के साथ जुड़ा। सूत्रों के मुताबिक जिगर मूवी की शूटिंग के दौरान दोनों बहुत अच्छे दोस्त बन गए, इसके बाद दोनों की दोस्ती ने प्यार का रास्ता अपना लिया। हालांकि यह रिश्ता ज्यादा दिन नहीं टिका और दोनों की राहें अलग हो गईं। इसके बाद करिश्मा का नाम बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा के साथ जुड़ा। दोनों ने इंडस्ट्री को बहुत सही सुपरहिट फिल्में दी और दर्शकों को उनकी जोड़ी खूब पसंद आने लगी। इसी दौरान बॉलीवुड की गलियों में फिर से करिश्मा के इश्क के चर्चे होने लगे लेकिन दोनों ने इस बात की कोई पुष्टि नहीं की थी। इतना ही नहीं अक्षय खन्ना के साथ भी करिश्मा कपूर की लव स्टोरी शुरू हुई लेकिन दोनों का अंत अच्छा नहीं था और अलग हो गए। ऐस इस वजह से क्योंकि इस समय करिश्मा की मां यह नहीं चाहती थीं कि इस समय करिश्मा किसी के संग शादी करे। इसी बीच खास बात यह है कि किसी समय पर करिश्मा का दिल सलमान खान पर भी आ गया था। अंत में करिश्मा ने 2003 में बिजनेसमैन संजय कपूर के संग सात फेरे ले लिए लेकिन इस रिश्ते का अंत भी सुखद नहीं था और दोनों ने साल 2016 में तलाक ले लिया।

›››› बॉलीवुड ‹‹‹‹

एली गोनी और जैस्मीन भसीन की शादी का काउंटडाउन शुरू? एक्टर के जवाब से सोशल मीडिया पर हलचल तेज

टीवी के सबसे पॉपुलर कपल्स में से एक अली गोनी और जैस्मीन भसीन की शादी की खबरें एक बार फिर सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हैं। हर कोई बस यही जानना चाहता है कि यह जोड़ी कब सात फेरे लेगी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अली गोनी ने अपनी शादी के प्लान्स को लेकर खुलकर बात की और साफकिया कि अब दोनों ही इस रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इंस्टेंट बॉलीवुड से बात करते हुए अली गोनी ने खुलासा किया कि अब उनके परिवार वाले भी उन पर शादी के लिए दबाव बना रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या जैस्मीन शादी के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने बहुत ही पॉजिटिव जवाब दिया। अली गोनी ने कहा, ष्प्लान अल्लाह के हाथ में है अभी। मेरे घर से भी बहुत दबाव बन रहा है। मेरी मम्मा बोल रही हैं कि अब कर लो। जैस्मीन तो तैयार है। मैं भी तैयार हूं, लेकिन बात ये है कि, मैं चाहता हूं कि अब जल्दी से हो। इंटरव्यू के दौरान जब अली से सीधा सवाल किया गया कि क्या फैन्स उम्मीद कर सकते हैं कि साल 2026 में दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे? इस पर अली ने हिंट देते हुए कहा, ष्हो सकता है।ष् एक्टर के इस छोटे से जवाब ने फैन्स की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है और सोशल मीडिया पर कयास लगाए जाने लगे हैं कि इस साल के अंत तक दोनों शादी कर सकते हैं। अली गोनी और जैस्मीन भसीन की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों पहली बार रियलिटी शो श्खतरों के खिलाड़ीश् में मिले, जहां उनकी दोस्ती हुई। इसके बाद श्बिग बॉस 14श् के घर में दोनों को एक–दूसरे के लिए अपने प्यार का अहसास हुआ और उन्होंने नेशनल टेलीविजन पर सरेआम अपने प्यार का इजहार किया। सालों से एक–दूसरे को डेट कर रहे अली और जैस्मीन को फैन्स का हमेशा भरपूर प्यार मिला है।

दो मिसकैरेज और 7 बार आईवीएफ फेल होने के बाद भी मुझे ही सुनने पड़े ताने

जुड़वां बच्चों की मां बनने के बाद सम्भावना सेठ का छलका दर्द

हाल ही में भोजपुरी एक्ट्रेस Sambhavna Seth ने लम्बे इंतजार के बाद जुड़वां बच्चों का स्वागत किया है। अपने यूट्यूब व्लॉगस के जरिए वो फैंस को अपनी लाइफ की पल-पल की रिपोर्ट देती रहती हैं और इतना ही नहीं फैंस भी उनको खूब प्यार करते हैं। बच्चों के जन्म बाद पहली बार अब सम्भावना सेठ काम पर वापिस लौटीं और हाल ही में वो तुम हो न के सेट पर पहुंची। यहां पर आके उन्होंने अपने दु:ख सबके साथ सांझे किए की कैसे उन्हें लोगों के ताने सुनने पड़े थे। सम्भावना सेठ ने दु:ख जताते हुए बताया कि जब मेरा मिसकैरेज हुआ तो लोग मुझे सहानुभूति देने के बजाय मुझे ही खरी-खोटी सुनाने लगे। उन्होंने मुझे बोला कि प्रेग्नेंट होने के बाद मैं शॉपिंग करने या घूमने जाती हूं तो इस वजह से ऐसा हुआ होगा। लेकिन जब डॉक्टर्स से बात की तो पता चला, ऐसा कुछ भी नहीं था। सम्भावना ने दु:ख जताते हुए कहा कि ये दुनियां चाहती है कि एक महिला प्रेग्नेंट होने के बाद घर पर बैठी रहे। अक्सर हमारे आसपास के लोग हमसे ये उम्मीद करते हैं कि वो इस समय के दौरान घर पर ही रहे और एन्जॉय न करें। प्रेग्नेंट होना कोई पाप है क्या ?सम्भावना ने आगे अपने दूसरे मिसकैरेज के बारे में बताया कि जिस दिन मैं फैंस के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की खबर शेयर करने वाली थी, इतना ही नहीं हमारा फोटोशूट भी हो गया था लेकिन स्कैन के दौरान पता चला कि 15 दिन पहले ही बच्चे का दिल धड़कना बंद हो गया है। ये समय मेरे लिए बहुत मुश्किल था। जब मैंने सबके साथ ये दु:ख शेयर किया तो कम करने के बजाय

लोगों ने मेरे दु:ख को और बढ़ा दिया। तुम ज्यादा घूमती हों, ज्यादा चलती हों, शॉपिंग मॉल क्यों घूमती हो...इसके बाद हर कोई मुझसे ऐसे सवाल करने लग गया। इतना सब कुछ झेलना मेरे लिए आसान नहीं था। इसके बाद उन्होंने अपनी अपने पति की भी बहुत तारीफकी और कहा कि, अगर बच्चा नहीं हो रहा तो कोई बात नहीं, कोई तेरे साथ हो या न हो मैं हमेशा तेरे साथ रहूंगा। अविनाश ने कभी भी मेरे ऊपर बच्चों को लेकर कोई प्रेशर नहीं बनाया और हम दोनों के फैसला किया की हम अंत तक ये लड़ाई साथ में लड़ेंगे।

›››› बॉलीवुड ‹‹‹‹

39 की उम्र में मां बनने जा रहीं सामंथा प्रभु, सबके सामने रिवील की अपनी प्रेग्नेंसी... फिल्मों से ब्रेक का किया ऐलान

सामंथा प्रभु इन दिनों अपनी फिल्म मां इंटी बंगारम की सक्सेस को एन्जॉय कर रही हैं। इसी खुशी का जश्न मनाने के लिए सामंथा और उनके पति थैंक्स मीट पर पहुंचे। इसी मौके पर उन्होंने अपने फैंस को एक बहुत बड़ी खुशखबरी दी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर हर जगह फैंस उनको बधाइयां दे रहे हैं। कुछ दिनों पहले सामंथा की एक वीडियो काफी वायरल हो रही थीं, जिसमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था। इसके बाद से लोगों ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया था कि वो जल्द ही मां बनने वाली हैं लेकिन तब तक सामंथा ने खुद इस बात की पुष्टि नहीं की थी। अब एक पार्टी के दौरान सबसे सामने सामंथा कहती हैं कि अब मैं मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं।' इतना कहने के बाद वो हसने लग जाती हैं और उस दौरान मौजूद हर कोई इंसान उन्हें बधाइयां देता है। वीडियो में उनका प्रेग्नेंसी ग्लो साफदिखाई दे रहा है। बता दें कि नागा चौतन्य से अलग होने के बाद सामंथा ने 1 दिसंबर 2025 को निर्माता राज निदिमो के साथ शादी की थी। इससे पहले भी दोनों एक साथ काम करते हुए नजर आ चुके हैं। सामंथा ने बहुत ही सादा और सिंपल तरीके से कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में शादी की थी और अब हाल ही में सामंथा ने खुशखबरी का ऐलान किया है कि वो मां बनने वाली हैं।

आसमान ने भी हमारे साथ जश्न मनाया... थाईलैंड में सोनाक्षी-जहीर ने मनाई अपनी दूसरी एनिवर्सरी

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून 2024 को अपने समय के पार्टनर जहीर इकबाल के साथ शादी के बंधन में बंधकर अपने रिश्ते को नया नाम दिया था। शादी से पहले दोनों लगभग सात सालों से डेट कर रहे थे और अब उनकी शादी को दो साल हो चुके हैं। इस खास मौके को कपल ने बेहद प्यार भरे और रोमांटिक अंदाज में सेलिब्रेट किया, जिसकी झलक उन्होंने अपने फैंस के साथ भी साझा की। अपनी शादी की दूसरी सालगिरह को यादगार बनाने के लिए सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल थाईलैंड पहुंचे। यहां दोनों ने शानदार नजारों के बीच एक-दूसरे के साथ सुकून भरे पल बिताए और अपनी एनिवर्सरी को बेहद खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। कपल ने इस रोमांटिक ट्रिप के दौरान खूब क्वालिटी टाइम एंजॉय किया। हाल ही में सोनाक्षी और उनके पति जहीर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी एनिवर्सरी सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों के साथ सोनाक्षी ने एक दिल छू लेने वाले नोट भी साझा किया। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा कि उनकी दूसरी शादी की सालगिरह के जश्न में मानों आसमान भी शामिल हो गया हो। उन्होंने अपने इस सन्देश के साथ रेड हार्ट इमोजी जोड़कर अपने प्यार का इजहार किया। इन तस्वीरों में सोनाक्षी बड़े ही प्यार से अपने पति को देख रही हैं। फैंस इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा की यह प्यार भरी पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स के जरिए कपल पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। साथ ही, कई लोग सोनाक्षी और जहीर को उनकी शादी की दूसरी सालगिरह की शुभकामनाएं भी दे रहे हैं।

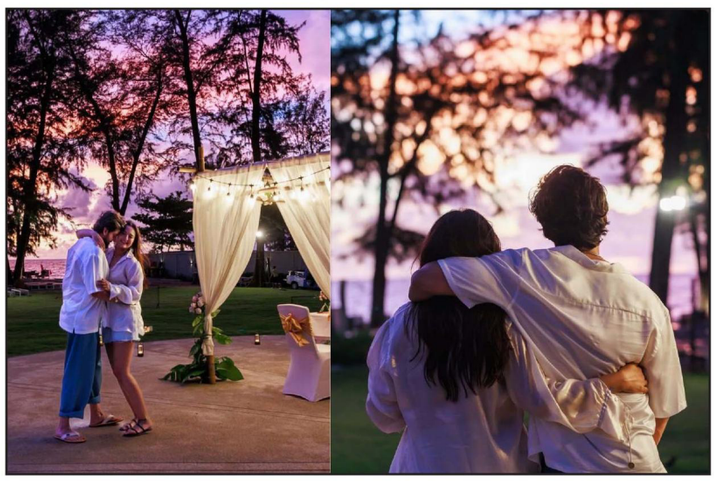

स्वत्वाधिकारी एक्सपर्ट टाइम्स नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक, सम्पादक जितेन्द्र कुमार द्वारा शॉप नम्बर–2 प्लॉट नम्बर–17, ग्राउण्ड फ्लोर, ब्लॉक एल–3, नियर भोला चौक, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली–110059 से प्रकाशित एवं मुद्रक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रीएशन 19 डीएसआईडीसी शेड्स, स्कीम 3, ओखला फेज–2 नईदिल्ली–110020 से मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं0– DLBIL/26/A3806
मो0 नं0– 9266066092 ❖पीआरबी एक्ट के अंतर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र द्वारका कोर्ट दिल्ली होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित लेख अथवा समाचार से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

फिफ्टी लगाने के बाद आउट हुए तिलक वर्मा, भारत को लगा 7वां झटका

एजेंसी, नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफसीरीज का दूसरा और आखिरी टी20 मैच भारत के लिए करो या मरो वाला है। शुक्रवार को खेले गए सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में बेलफास्ट में आज भारतीय टीम सीरीज बराबर करने के इरादे से उतरी है। श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू नहीं हुआ है। वहीं प्रिंस यादव और सूर्यांश शेडगे ने ज्20प् डेब्यू किया। प्रसिद्ध कृष्णा और वॉशिंगटन सुंदर को बेंच पर बैठाया गया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए। हैरी टेक्टर ने 47 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली। भारत की ओर से प्रिंस यादव ने डेब्यू मैच में चटकाए 3 विकेट। उनके अलावा अर्शदीप सिंह और शिवम दुबे को 2-2 सफलताएं मिलीं। 17वें ओवर की पहली गेंद पर शिवम दुबे कैच आउट हुए। दुबे ने 2 चौकों की मदद से 16 गेंदों पर 20 रन बनाए। अब डेब्यू मैच खेल रहे सूर्यांश शेडगे मैदान पर आए हैं। 17 ओवर के बाद भारत का स्कोर 6 विकेट के नुकसान पर 111 रन है। भारत को अगले 3 ओवर में 44 रन बनाने हैं। अक्षर पटेल के रूप में भारत को 5वां झटका लगा। पटेल ने 18 गेंदों का सामना किया और 14 रन बनाए। अब तिलक का

साथ देने के लिए शिवम दुबे मैदान पर आए हैं। बारिश रुकने और मैदान सूखने के बाद मैच फिर से शुरू हो गया है। भारत को अब 12 ओवर में जीत के लिए 101 रन बनाने हैं। उपकप्तान तिलक वर्मा और अक्षर पटेल क्रीज पर हैं। बारिश के कारण दूसरी बार मैच रोकना पड़ा था। हालांकि, भारतीय फैंस के लिए अच्छी खबर है। बारिश रुक गई है और रात 9.15 बजे मैच शुरू होगा। भारत को जीत के लिए 12 ओवर में 101 रन बनाने हैं। तिलक वर्मा और अक्षर पटेल की नजर साझेदारी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उनहोंने भारत को अब तक 3 झटके दिए। सलामी जोड़ी को पवेलियन भेजने के बाद जय ने कप्तान श्रेयस अय्यर को बोल्ड किया। अय्यर ने 7 गेंदों पर 10 रन बनाए। अब ईशान का साथ देने के लिए तिलक वर्मा आए हैं। 3 ओवर के बाद भारत का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 21 रन है। भारतीय मूल के जय मूंदड़ा ने पहले ही ओवर में भारत को 2 झटके दिए। उन्होंने संजू सैमसन के बाद अभिषेक शर्मा को विकेट चटकाया। दोनों ही बल्लेबाजों का खाता नहीं खुला। अब कप्तान श्रेयस अय्यर क्रीज पर आए हैं। 155 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। पहली गेंद पर ही संजू सैमसन स्टंप आउट हुए। पिछले मैच में भी संजू का बल्ला नहीं चला था और उन्होंने 5 रन बनाए थे। अब ईशान किशन मैदान पर उतरे हैं। 20वें ओवर में प्रिंस यादव ने 2 शिकार किए। उन्होंने चौथी गेंद पर हैरी टेक्टर का विकेट चटकाया। बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में हैरी टेक्टर ने ईशान को कैच दे दिया। हैरी ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 47 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली। आखिरी गेंद पर लियाम मैकार्थी कैच आउट हुए। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए। भारत को अगर सीरीज में बराबरी करनी है तो 155 रन बनाने होंगे। 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह को एक और सफलता मिली। उन्होंने जॉर्ज डॉकरेल को अक्षर पटेल के हाथों कैच आउट कराया। जॉर्ज ने 14 गेंदों का सामना किया और 19 रन बनाए। अब लियाम मैकार्थी बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। हल्की बारिश और बूंदाबांदी के कारण मैच को रोकना पड़ा था। कुछ देर बार ही बारिश रुक गई। ऐसे में मैच फिर से शुरू हो गया है। अक्षर पटेल अपने ओवर पूरा कर रहे हैं। भारत को विकेट की तलाश है। बारिश के कारण मुकाबले को रोकना पड़ा है। 17.1 ओवर के बाद आयरलैंड का स्कोर 5 विकेट के नुकसान पर 132 रन है।

हैरी टेक्टर 46 और जॉर्ज डॉकरेल 9 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी में 17 गेंद का खेल बचा है। आयरलैंड के 48 रन पर 3 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद हैरी टेक्टर और बेंजामिन कैलिट्ज के बीच चौथे विकेट के लिए 43 गेंदों पर 65 रन की साझेदारी हुई। शिवम दुबे ने इसके बाद आयरलैंड को 2 झटके दिए। 15वें ओवर की चौथी गेंद पर दुबे ने बेंजामिन कैलिट्ज का विकेट चटकाया। अगली गेंद पर ही दुबे ने गैरेथ डेलानी को बोल्ड किया। प्रिंस यादव ने आज टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। अपने पहले ही मैच में उन्होंने सफलता भी हासिल कर ली है। 8वें ओवर की तीसरी गेंद पर यादव ने कप्तान लोर्कन टकर को ईशान किशन के हाथों कैच आउट कराया।

बेन स्टोक्स ने लिया इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास, न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट के बीच किया बड़ा फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली। स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे मैच के दौरान बड़ा फैसला किया है। स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। यानी नॉटिंघम में खेला जा रहा टेस्ट मैच स्टोक्स के करियर का आखिरी मैच होगा। स्टोक्स ने ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन की शुरुआत से पहले अपनी टीम के खिलाड़ियों को इस बारे में बताया। इसके बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की पुष्टि की। ईसीबी के चेयरमैन रिचार्ड थॉम्पसन ने कहा कि स्टोक्स इंग्लैंड के सर्वकालिक महान क्रिकेटर के दौर पर विदाई ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्बेन स्टोक्स इंटरनेशनल क्रिकेट को इंग्लैंड के सर्वकालिक महान क्रिकेटरों के तौर पर अलविदा कह रहे हैं। वह इस पीढ़ी के महान खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, ष्दबाव में उनका प्रदर्शन, उनकी प्रतिद्वंद्विता और जरूरत पड़ने पर उनके शानदार खेल ने मुझे और लाखों फैंस को वो यादगार पल दिए हैं जिन्हें हम हमेशा याद रखेंगे।

उन्होंने बड़े पलों पर इंग्लैंड को जीत दिलाई- 2019 और 2022 वर्ल्ड कप जीत में डाइव मारना, हेडिंग्ले में उनकी ऐतिहासिक पारी या हिम्मत के साथ टेस्ट टीम की कप्तानी करना, बेन स्टोक्स इंग्लिश क्रिकेट में चमत्कारिक क्रिकेटर रहे हैं।

स्टोक्स ने साल 2022 से टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी। उनकी कप्तानी के काफ ी चर्चे रहे। हालांकि, इंग्लैंड की टीम एक भी बार आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फ इनल नहीं खेल सकी, लेकिन स्टोक्स ने जिस आक्रामक अंदाज में कप्तानी की वो सुर्खियों में रहा। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार प्रदर्शन किए हैं। इंग्लैंड के लिए स्टोक्स ने 122 टेस्ट मैच खेले हैं और 7243 रन बनाए हैं जिसमें 14 शतक और 37 अर्धशतक जमाए हैं। टेस्ट में उनके नाम 252 विकेट हैं। वनडे में स्टोक्स ने इंग्लैंड के लिए 114 मैच खेले हैं और 3463 रन बनाए हैं। यहां उन्होंने पांच शतक और 24 अर्धशतक लगाए हैं। वनडे में उनके नाम 74 विकेट हैं। टीम में स्टोक्स ने 43 बार इंग्लैंड की जर्सी पहनी है और 585 रन बनाने के साथ-साथ 36 विकेट भी लिए हैं।

वैभव सूर्यवंशी कहता उसका सिर दुख रहा है, 15 साल के क्रिकेटर के पहले कोच ने सुनाई अनोखी कहानी

एजेंसी, नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी का परिवार और भारतीय फैंस की नजरें शुक्रवार को टीम शीट पर टकटकी लगाए होंगी कि युवा क्रिकेटर आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में एक्शन में नजर आएंगे या नहीं। अगर सूर्यवंशी को प्लेइंग 11 में मौका मिला तो वो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। सूर्यवंशी को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए भी चुना गया है। ऐसे में वैभव के जल्द ही डेब्यू करने के अवसर प्रबल हैं। सूर्यवंशी भले ही 16 साल की उम्र से पहले ही भारत के लिए डेब्यू कर लें, लेकिन उनकी क्रिकेट यात्रा लंबी और संघर्षभरी रही। वैसे, वैभव के क्रिकेट यात्रा की शुरुआत उनके पिता संजीव के कारण हुई, जो मोतीपुर के गांव में क्लब क्रिकेटर रह चुके हैं। संजीव तो अपने सपने को साकार नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने वैभव में खूब निवेश किया ताकि वो एक बेहतर क्रिकेटर बन सके। वैभव सूर्यवंशी के पहले कोच ब्रजेश झा ने द एथलेटिक से बातचीत में कहा, श्जब वो पहली बार आया तो समस्तीपुर जिला में कुछ बल्ले क्रिकेट खेलते थे। सभी सीनियर में यह छोटा बच्चा आया था। उसे कुछ बोलो, वो उसे तुरंत करने लगता। उसे बताया कि कैसे स्टांस लेना है, कैसे दौड़ना है। उसे जो भी समझाया, वो उसने जल्द ही अपना लिया।श कोच ने आगे कहा, श्जब हम वैभव को ट्रायल्स के लिए पटना ले गए तो पूरे क्षेत्र में

खबर फैल ी कि समस्तीपुर से बाएं हाथ का बल्लेबाज आ रहा है, जिसमें गजब की प्रतिभा है। वो साढ़े आठ साल का था, जब राज्य की अंडर-17 टीम में चयन हुआ। मनीष ओझा ने भी वैभव सूर्यवंशी को क्रिकेट का कहकरा सिखाया। ओझा ने कहा, श्बैटिंग हमेशा से उसका पहला प्यार है। उसके अभ्यास सत्र में मुश्किल का स्तर देखने लायक रहता था। मैं जितना स्तर बढ़ाऊं, वो उतनी आसानी से उसमें ढल जाता था। उसके ढलने की आदत कमाल की है। ओझा ने बताया, श्जब वैभव ट्रेनिंग करता था। अगर आपने उसे फील्डिंग के लिए भेज दिया तो वो 10 मिनट के अंदर आपके पास आकर बोलेगा कि सिर दुख रहा है। मगर आप उसे बल्लेबाजी का बोलो तो वो कभी नहीं कहेगा कि थक गया है। आज वैभव टी20 क्रिकेट में तूफानी शतक जमा रहा है, लेकिन एक समय उसने 100 गेंदों में 30 रन की पारी भी खेली है। ब्रजेश झा ने याद किया, श्वैभव महज 9 साल का था। तब 100 गेंदों में 30 रन बनाए। मैं इस बात से बहुत खुश था कि उसने 100 गेंदें खेली क्योंकि इससे उसकी क्षमता नजर आई। वो राज्य स्तरीय गेंदबाजों का सामना कर रहा था, जो कि उसकी उम्र से बड़े थे।

ऐसा नहीं था कि शक्ति के कारण वो रन नहीं बना पा रहा था, लेकिन उसने 100 गेंदें खेली तो बहुत खुशी हुई। समस्तीपुर से वैभव और उनके पिता पटना पहुंचे। फि र युवा क्रिकेटर के जीवन में आईपीएल की एंट्री हुई। राजस्थान रॉयल्स ने 13 साल के लड़के को 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। 14 की उम्र में वैभव ने राजस्थान रॉयल्स के लिए डेब्यू किया और अपनी बल्लेबाजी का डंका बजाया। आज वैभव सफ लता की राह पर गौरवशाली अंदाज में आगे बढ़ रहे हैं।

देवदत्त पडिक्कल की शानदार फिफ्टी, फिर भी मैच ड्रॉ पर हुआ खत्म

एजेंसी, नई दिल्ली। देवदत्त पडिक्कल ने रविवार को भारत ए की दूसरी पारी में संयमित अर्धशतक जड़ा जिसके बाद श्रीलंका ए के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खराब मौसम की वजह से चौथे और अंतिम दिन ड्रॉ पर छूटा। भारत ए ने दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 48 रन से खेलना शुरू किया और पडिक्कल ने 101 गेंद में पांच चौकों की मदद से 67 रन बनाए। आयुष पांडे (38) और हर्ष दुबे (29) ने भी योगदान दिया जिससे भारत ए ने 57 ओवर में आठ विकेट पर 189 रन बनाकर अपनी दूसरी पारी घोषित की और श्रीलंका ए के सामने जीत के लिए 312 रन का लक्ष्य रखा। श्रीलंका ए के लिए बाएं हाथ के स्पिनर दिलुम सुदीरा ने भारत ए की दूसरी पारी में 49 रन देकर पांच विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ए ने 15 ओवर में दो विकेट गंवाकर 70 रन बनाए। वहीं बारिश के कारण खेल काफी देर तक रुका रहा। श्रीलंका ए की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज पवनथा वीरासिंघे ने 10 रन, नुवानिदु फर्नांडो ने नाबाद 16 रन और एशेन बंडारा ने नाबाद 18 रन बनाए। भारत ए के लिए पहली पारी में 58 रन देकर चार विकेट झटकने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने 18 रन देकर और हर्ष दुबे ने 25 रन देकर एक एक विकेट झटका। दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा अनौपचारिक टेस्ट मैच दो से पांच जुलाई तक यहीं खेला जाएगा।

513 दिन का सूखा खत्मः टीम इंडिया में हुए 2 डेब्यू, वैभव सूर्यवंशी को फि र भी नहीं मिला मौका

एजेंसी, नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में रविवार को भारत की ओर से सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव ने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। शिवम दुबे ने प्रिंस और संजू सैमसन ने शेडगे को डेब्यू कैप थमाई। इसके साथ ही अनोखा रिकॉर्ड भी बना गया। बेलफ ास्ट में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फ ैसला लिया। टॉस के दौरान भारतीय कप्तान ने बताया कि आज प्लेइंग 11 में 2 बदलाव हुए हैं। सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव ने डेब्यू किया, वहीं प्रसिद्ध कृष्णा और वॉशिंगटन सुंदर को बेंच पर बैठना पड़ा है। वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में भी डेब्यू कैप नहीं पहनाई गई। सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव ज्20 इंटरनेशनल में भारत के लिए डेब्यू करने वाले 120वें और 121वें खिलाड़ी हैं। इस फ ॉर्मेट में सिर्फ पाकिस्तान के पास ही सबसे ज्यादा कैप्स (125) रही हैं। शेडगे और प्रिंस से पहले जनवरी 2025 में हर्षित राणा ने ज्20प् में डेब्यू किया था, यानी 513 दिनों के बाद भारत की ओर से किसी नए प्लेयर को मौका मिला है। टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए दो डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों के बीच यह सबसे लंबा गैप है। इससे पहले सबसे लंबा अंतराल 451 दिनों का था। यह भुवनेश्वर कुमार (कैप 45, 25 दिसंबर 2012) और मोहम्मद शमी (कैप 46, 21 मार्च 2014) के बीच था।

शेफाली वर्मा का बड़ा बयान, ऑस्ट्रेलिया को हराने का भरोसा, सेमीफाइनल पर नजर

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को भरोसा है कि श्रुमन इन ब्लू आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के अपने आखिरी लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को हरा देंगी। वह छह बार की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड-क्लास काबिलियत को तो मानती हैं, लेकिन साथ ही यह भी कहती हैं कि वे उन्हें पहले भी हरा चुकी हैं। तीन जीत, एक हार और छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद भारत को रविवार को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच से पता चल जाएगा कि वे सेमीफ ाइनल में पहुंचेंगे या नहीं।

छह अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका का भी एक मैच काफी कमजोर बांग्लादेशी टीम के खिलाफ है, इसलिए सेमीफ ाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए भारत के लिए बड़ी जीत हासिल करना जरूरी होगा। मैच से पहले बात करते हुए, शैफ ाली ने इस साल फरवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की 2-1 से मिली जीत का जिक्र किया और माना कि उस जीत से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि ऑस्ट्रेलिया एक वर्ल्ड-क्लास टीम

है। लेकिन ऐसा नहीं है कि हमने उन्हें पहले कभी नहीं हराया है। हमने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में टी20 सीरीज में उन्हें हराया था, और इससे हमें आत्मविश्वास मिलता है। हम कई सालों से उनके खिलाफ खेल रहे हैं। हम उनके गेंदबाजों, उनकी ताक़त और उनकी योजनाओं को जानते हैं। इसलिए, हम चीजों को सीधा रखेंगे, जो जरूरी है, और अपनी ताक़त पर भरोसा रखेंगे। जितना ज्यादा आप सोचते हैं, उतना ही मुश्किल होता जाता है। शेफाली इस टूर्नामेंट में शानदार फ ॉर्म में रही हैं और उन्होंने दो फिफ्टी लगाई हैं, लेकिन शुरुआत कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ छह रन बनाकर हुई थी। शेफ ाली ने कहा कि तब से उनकी बैटिंग में सुधार हुआ है और उन्होंने माना कि वह पहले बहुत ज्यादा सोचती थीं और बहुत ज्यादा प्लानिंग करती थीं। उन्होंने कहा कि मेरी बैटिंग में काफी सुधार हुआ है। पाकिस्तान के मैच से पहले, मैं बहुत ज्यादा सोच रही थी। मैं बहुत ज्यादा प्लानिंग कर रही थी कि पहली गेंद कैसे खेलूँगी, दूसरी गेंद पर कौन सा शॉट खेलूँगी।

लेकिन उस मैच के बाद, मुझे एहसास हुआ कि चीजों को मुश्किल बनाने की जरूरत नहीं है। मुझे बस चीजों को आसान रखना है। जब मैं बैटिंग करती हूँ, तो मैं गेंद को देखती हूँ और उसी हिसाब से रिएक्ट करती हूँ। मैं बहुत आगे की प्लानिंग नहीं करती। इससे मुझे खुलकर रन बनाने में मदद मिली है। इस बदलाव की वजह से, मुझे लगता है कि अब मैं अच्छा स्कोर कर पा रही हूँ। मैं खुद पर बहुत ज्यादा दबाव नहीं डाल रही हूँ। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अहम मैच में भी मैं इसी अप्रोच को जारी रखने की कोशिश करूँगी।

खेलसमाचार शेफाली ने इस टूर्नामेंट में अब तक चार मैचों में 36.25 की औसत और 157.60 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 145 रन बनाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 55 रहा है। इस साल 15 टी20 मैचों में उन्होंने 27.00 की औसत और 148 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 405 रन बनाए हैं, जिसमें चार अर्धशतक और 64 का बेस्ट स्कोर शामिल है।

विराट कोहली से मिलने के सपने देख रहे हैं नोवाक जोकोविच, मिलने के लिए आएंगे भारत

एजेंसी, नई दिल्ली। नोवाक जोकोविच टेनिस की दुनिया का बड़ा नाम है। इस खिलाड़ी के नाम पुरुष वर्ग में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। हालांकि, उनकी कुछ ख्वाहिशें अभी भी पूरी नहीं हो पाई हैं और उनमें से एक है भारत के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली से मिलना। जोकोविच ने कहा है कि वह भारत दौरे पर आकर कोहली से मिलना चाहते हैं। विंबलडन 2026 के एक कार्यक्रम से इतर जोकोविच 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने कहा कि वह कोहली से लगातार संपर्क में हैं और दोनों के बीच मैसेज के जरिए बातचीत होती रहती है, लेकिन दोनों अभी तक आमने-सामने से नहीं मिले है। जोकोविच ने स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा कि वह कोहली से मिलना चाहते हैं और टेनिस खेलना चाहते हैं।

जोकोविच ने कहा, ष्हम दोनों आमने-सामने नहीं मिले हैं, लेकिन हमने मैसेज के जरिए बात की है। बीते कुछ सालों से हम टच में हैं। एक-दूसरे को फ ॉलो कर रहे हैं, सपोर्ट कर रहे हैं। हम एक-दूसरे को काफी मानते हैं। उम्मीद है कि मुझे उनसे मिलने का मौका मिलेगा। हम थोड़ा बहुत टेनिस और क्रिकेट खेलेंगे। ये शानदार होगा। मैं जल्दी भारत आने की भी प्लानिंग कर रहा हूं। हो सकता है कि तब हम मिल पाएं। जोकोविच विंबलडन में अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश करेंगे। 29 जून से शुरू हो रहे इस ग्रैंड स्लैम में जोकोविच एक और खिताब जीतने के लिए अपनी जान झोंक देंगे। हालांकि, सर्बिया के इस खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के बाद से प्रतिस्पर्धी टेनिस नहीं खेला है। उस टूर्नामेंट में जोकोविच को जाओ फोंसेका के हाथों उलटफेर का शिकार होना पड़ा था। 39 साल का ये खिलाड़ी विंबलडन में अपने करियर को नए आयाम देने उतरेगा।

मन की बातः पीएम ने गिनाईं आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियां

जनभागीदारी देश की सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि जून का महीना भारत के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विमानन क्षेत्र की नई उपलब्धियों, योग की वैश्विक स्वीकार्यता, जनभागीदारी, सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे अनेक प्रेरणादायक प्रयासों का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे सकारात्मक बदलाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई शक्ति प्रदान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने रविवार को 'मन की बात' के 135वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2026 का आधा समय पूरा होने जा रहा है और बीते छह महीनों के दौरान देश ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। जून का महीना विशेष रूप से ऐसी सफलताओं और जनआंदोलनों का साक्षी रहा है, जिन्होंने भारत की सामरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता, सामाजिक चेतना और वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच देशवासियों ने जिस जिम्मेदारी और जागरूकता का परिचय दिया है, वह भारत की सामूहिक शक्ति को दर्शाता है। सोने की खरीदारी सीमित करने, विदेश यात्राएं टालने, कार पूलिंग अपनाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी उनकी अपील को लोगों ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर देश एकजुट होकर कार्य करने के लिए सदैव तैयार रहता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अनेक परिवारों ने विवाह जैसे आयोजनों में नया सोना खरीदने के बजाय पुराने आभूषणों को पुनर्चक्रित कर उपयोग करने का निर्णय लिया है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी विदेश यात्राएं स्थगित की हैं और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी है। लोग कार पूलिंग को अपना रहे हैं, जिससे पेट्रोल और डीजल की बचत हो रही है। विभिन्न राज्यों से प्राकृतिक उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि की रिपोर्ट भी प्राप्त हो रही है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्हें कोलकाता में नौसेना से जुड़े एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया है। इन युद्धपोतों की डिजाइनिंग से लेकर निर्माण तक का संपूर्ण कार्य भारत में हुआ है। यह उपलब्धि केवल रक्षा क्षेत्र की सफलता नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, इंजीनियरिंग कौशल और आत्मनिर्भरता का भी प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जून में देश ने विमानन क्षेत्र में भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।'मेड इन इंडिया' सी-295 परिवहन विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी की है। ऐसे 40 विमान भारत में ही निर्मित किए जा रहे हैं। इससे देश के एमएसएमई क्षेत्र, एयरोस्पेस उद्योग और कौशल विकास को नई गति मिल रही है।

आप सांसद संजय सिंह ने बोला भाजपा पर हमला, कहा-

'चंदा चोरों' से पूछताछ क्यों नहीं हुई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर पुलिस ने शनिवार को जेल में बंद आठों आरोपियों के घर पर एकसाथ छापेमारी की। इस पर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा और संघ पर निशाना साधा है। आप सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर मामले में कहा कि अगर पूछताछ करनी थी तो जो चंदा चोर पकड़े गए थे उनसे क्यों नहीं की? क्योंकि अगर पूछताछ में वो लोग कहीं बोल देते कि इस माल का हिस्सा चंदा चोर पार्टी को भी गया है, दिल्ली भी गया है, नागपुर भी गया है। विधायक खरीदने में भी गया है, सांसद खरीदने में भी गया है। सारी डिटेल सामने आ जातीं।

- डेढ़ हजार दिन की जांच क्यों नहीं कराई- संजय सिंह
- चंपत राय के अलावा कई बड़े लोगों का हाथ

संजय सिंह ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए सामने आया कि 40 दिन में 70 बार चोरी हुई तो डेढ़ हजार दिन की जांच क्यों नहीं कराई। ये चोरी तो पांच-छह साल से हो रही है क्योंकि महिपाल सिंह का बयान 2020-2021 का है। उसने बताया था कि यहां चढ़ावे में चोरी हो रही। महिपाल ने कहा कि मैंने सूचना दी थी कि चंपत राय और गोपाल राव को, तो मुझे हटा दिया गया। चढ़वा चोरी मामले में चंपत राय के अलावा कई बड़े लोगों का हाथ होने का इशारा करते हुए संजय सिंह ने कहा कि क्या आपको लगता है कि इतनी बड़ी चोरी सिर्फ चंपत राय और उनके गुर्गों ने की है। ऐसा संभव नहीं है क्योंकि पीएमओ ने हिसाब मांगा तो चंपत राय ने मना कर दिया। उसने कहा कि हम नहीं देंगे हिसाब। अगर वो हिसाब में बता देता कि पांच करोड़ रुपये विधायक खरीदने में दिए तो बवाल मच जाता। पूरे देश में चंदा चोर पार्टी की पोल खुल जाती। वो बता देता कि नागपुर इतना पहुंचाया था। बता देता कि गोपालराव इतनी गड्डियां लेकर गया उसका साथ का आदमी। ट्रेन से लेकर बोरे में जाता था। मंदिर प्रकोष्ठ बनाकर हजारों करोड़ रुपये पैसा इकट्ठा किसने किया, चंदा चोर पार्टी यानी कि भारतीय जनता पार्टी, उनके विधायकों, मंत्रियों, सांसदों ने।

संक्षिप्त खबरें

हाइवे पर दो वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले स्थित समृद्धि हाइवे पर रविवार को सुबह दो वाहनों की टक्कर में एक परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की छानबीन हाइवे पुलिस कर रही है। घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि चंद्रपुर शहर के बाबूपेठ इलाके में डी.एड. कॉलेज के पास रहने वाला जीवने परिवार रविवार को एक वैगनआर कार में एक फेमिली फंक्शन के लिए अकोला के लिए निकला था। जैसे ही उनकी कार धामनगांव तहसील में समृद्धि हाइवे पर चैनल नंबर 106 के पास पहुंची, तो कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खड़े कंटेनर को टक्कर मार दी। इस घटना में कार में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

त्विषा केस की आरोपी रिटायर्ड जज गिरिबाला के घर चोरों का धावा

नई दिल्ली। एक्ट्रेस-मॉडल त्विषा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के घर में चोर घुस गए। उन्होंने कथित तौर पर सोने के गहने और सिंह व उनके बेटे समर्थ सिंह से जुड़े जरूरी कागजात वाली एक फाइल चुराने की कोशिश की। हालांकि, रात की रूटीन गश्त के दौरान पुलिस की गाड़ी का सायरन सुनकर आरोपी चोरी का सामान वहीं छोड़कर भाग गए। एसीपी रजनीश कश्यप ने चोरी की कोशिश और सामान बरामद होने की पुष्टि की। घटना के समय गिरिबाला सिंह के भाई घर पर मौजूद थे। उन्होंने बताया कि चोर घर के पिछले हिस्से से अंदर घुसे थे, इसलिए श्द्धागुरू में किसी को उनके घुसने का पता नहीं चला। जब पुलिस की गश्ती टीम उस इलाके में पहुंची, तो संदिग्ध घबराकर भाग गए। पुलिस ने उनका पीछा किया लेकिन उन्हें पकड़ नहीं पाई। बाद में अधिकारियों ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर रविवार को दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है।

अकाल तख्त का आदेश मानेंगे: मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब सिख कौम की सर्वोच्च धार्मिक संस्था है और उसके प्रत्येक आदेश का पूरी श्रद्धा व निष्ठा के साथ पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किए गए पंजाब विधानसभा के स्पीकर सहित सभी मंत्री और विधायक सोमवार को वहां उपस्थित होकर राज्य सरकार का पक्ष रखेंगे। अमृतसर साहिब में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उनकी नकल करने वाले व्यक्ति की फर्जी वीडियो से संबंधित समस्त विवरण भी श्री अकाल तख्त साहिब को सौंपेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल इस मुद्दे को धार्मिक रंग देकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति और धर्म को कभी भी एक-दूसरे के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की अपील की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷श्री अकाल तख्त साहिब प्रत्येक सिख के लिए सर्वोच्च आस्था का केंद्र और हमारी कौम का सर्वोच्च तख्त है। वहां से जारी प्रत्येक आदेश हमारे लिए पूरी श्रद्धा के साथ स्वीकार्य है और उसका अक्षरशः पालन किया जाएगा। हमारे सभी मंत्री, विधायक तथा पंजाब विधानसभा के स्पीकर, जिन्हें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किया गया है, सोमवार को वहां उपस्थित होंगे। वे एक विनम्र सिख के रूप में श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष सरकार की स्थिति स्पष्ट करेंगे तथा अपना पक्ष रखेंगे।

- मेरा मास्क पहनकर नकल करने वाले की फर्जी वीडियो भी पत्र के साथ अकाल तख्त साहिब को सौंपी जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मुझे पहले श्री अकाल तख्त साहिब ने बुलाया था, तब मैं वहां उपस्थित होने के लिए भारत के राष्ट्रपति के एक कार्यक्रम को भी छोड़कर गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, जब भी मैं गांवों, सामाजिक कार्यक्रमों और जनसभाओं में जाता हूं, वहां भारी जनसमर्थन मिलता है।

मादक पदार्थों की लत राष्ट्र के विकास के लिए गंभीर खतराः उपराष्ट्रपति

बेंगलुरु। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मादक पदार्थों की लत केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि शिक्षा, उत्पादकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के विकास के लिए भी गंभीर खतरा है। उपराष्ट्रपति रविवार को बेंगलुरु में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के 31वें स्थापना दिवस पर आयोजित नशा मुक्त भारत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, अभिभावकों और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति समाज में व्यापक जनजागरूकता पैदा करना और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

राहुल गांधी कुछ इवेंट्स के बाद गायब हो जाते हैं: शमिष्ठा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जमीनी स्तर पर कुछ दिन सक्रिय रहने के बाद गायब हो जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीति को फुल-टाइम जॉब के तौर पर देखा जाना चाहिए। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने समाचार एजेंसी से बातचीत में बताया कि 2014 से, लगभग उसी समय से जब राहुल कांग्रेस के चेहरे के रूप में उभरने लगे थे, पार्टी लगातार चुनाव हारती रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की संभावनाओं पर बात करते हुए मुखर्जी ने कहा, मैं कोई अंदाजा नहीं लगाऊंगी। 2024 के चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटें जीतीं। उन्होंने (राहुल गांधी) भारत जोड़ो यात्रा की और उसका अच्छा नतीजा मिला। शर्मिष्ठा ने कहा कि लेकिन अफसोस की बात है कि राहुल गांधी कुछ इवेंट्स करते हैं और फिर गायब हो जाते हैं। भारत जोड़ो यात्रा की पहली सालगिरह के दौरान वह कहां थे? राजनीति 24 घंटे, 365 दिन का काम है। आप आते हैं और फिर 2 दिन बाद चले जाते हैं। आप कुछ रैलियां करते हैं, कुछ लोगों से मिलते हैं और फिर चले जाते हैं। तो, मेरे हिसाब से राजनीति ऐसी नहीं होती। उन्होंने आगे कहा, राज्यों के चुनाव भी होते हैं। कोई सिर्फ गठबंधन बनाकर चुनाव नहीं जीत सकता। कांग्रेस को पार्टी को मजबूत करने की जरूरत है।

यूरोप में भीषण हीटवेव 1000 लोगों की मौत

पेरिस। यूरोप इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। कई देशों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। फ्रांस में पिछले 10 दिनों के दौरान हीटवेव के कारण 1000 से अधिक लोगों की मौत होने की प्रारंभिक पुष्टि हुई है। मृतकों में अधिकांश 65 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग हैं। भीषण गर्मी से अस्पतालों पर दबाव बढ़ गया है और आपातकालीन सेवाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। पेरिस समेत कई शहरों में इमरजेंसी प्लान लागू कर दिए गए हैं। स्पेन में भी पिछले 10 दिनों में 327 लोगों की मौत दर्ज की गई है। जर्मनी, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड और अन्य यूरोपीय देशों में भी जून के तापमान के नए रिकॉर्ड बने हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने इस असामान्य गर्मी के लिए जलवायु परिवर्तन और अल नीनो प्रभाव को प्रमुख कारण बताया है।

दवा खरीद घोटाले में पूर्व डीजीएचएस समेत 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में दवा, सर्जिकल सामग्री और मेडिकल उपकरणों की खरीद में कथित रूप से करोड़ों के घोटाले की जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डॉ. वत्सला अग्रवाल और सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के तत्कालीन डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स नीरज चोपड़ा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को शनिवार को राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां एसीबी ने पूछताछ के लिए एक दिन की पुलिस रिमांड मांगी। एसीबी के अनुसार, मामले की शुरुआत निदेशालय सतर्कता (विजिलेंस) से मिली शिकायत के बाद हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी के जरिए दवाओं, सर्जिकल कंज्यूमेबल्स, मेडिकल उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। आरोप है कि कुछ अधिकारियों ने निजी कंपनियों के साथ मिलीभगत कर टेंडर की शर्तों और तकनीकी मानकों में हेरफेर किया, ताकि चुनिंदा कंपनियों को फायदा पहुंचाया जा सके। इससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

- करोड़ों की गड़बड़ी के आरोप

सीजेपी का दिल्ली पुलिस पर बड़ा आरोप

पानी सप्लाई और सफाई में कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर में कॉकरोच जनता पार्टी और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के विरोध में छात्रों समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इसको लेकर सीजेपी ने आरोप लगाया है कि दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पानी की सप्लाई और स्वच्छता से जुड़ी सुविधाओं को काट दिया है।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके ने रविवार को दावा किया कि अधिकारियों से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद विरोध स्थल पर बुनियादी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। दिपके ने एक्स पर लिखा, ÷सोनम वांगचुक द्वारा भूख हड़ताल की घोषणा के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर स्वच्छता सुविधा बंद कर दी है। पानी का कनेक्शन और स्वच्छता के उपाय नहीं हैं। अभिजीत दिपके ने कहा कि

बार-बार गुहार लगाने और वांगचुक जी की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बारे में बताने के बावजूद, पुलिस सहयोग नहीं कर रही है और हमें संदेह है कि अन्य बुनियादी सुविधाएं भी बंद कर दी जाएंगी। पुलिस की मंशा क्या है?

बता दें कि सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी, जहां सीजेपी के नेता 20 जून से धरना दे रहा है। वे नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले समेत प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। नीट पेपर लीक विवाद और फिर परीक्षा के चलते विवाद बढ़ गया। इसके चलते ही कथित तौर पर 21 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या कर ली है। सोनम वांगचुक ने इस सप्ताह की शुरुआत में घोषणा की थी कि यदि सरकार शिक्षा प्रणाली में जवाबदेही, लद्दाख के लिए अधिक स्वायत्तता और पर्यावरण सुरक्षा उपायों में से कम से कम एक मुद्दे पर प्रगति करने में विफल रहती है, तो वह 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर देंगे। वांगचुक ने कहा था कि अगर उनकी दोनों मांगों में से किसी एक पर कार्रवाई की गई तो वे अनशन वापस ले लेंगे, लेकिन सरकार द्वारा उनकी मांगों पर ध्यान न दिए जाने के बाद उन्होंने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखी।

असम : तिनसुकिया में आतंकी साजिश नाकाम

उल्फा से जुड़े दो और सहयोगी समेत चार गिरफ्तार

तिनसुकिया (असम)। असम पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। तिनसुकिया जिला पुलिस ने रविवार को बताया कि इस मामले में अब तक कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक कुमार ने मीडिया को बताया कि 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के सहयोग से लेखापानी थाना क्षेत्र के जागुन में चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान के दौरान उल्फा (आई) के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया था। उनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) तथा स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में हुई है। दोनों वर्ष 2018 में संगठन में शामिल हुए थे और कई आतंकी घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। एसपी के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे तिनसुकिया शहर में नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड हमला करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर इस संभावित हमले को नाकाम कर दिया।

बिहार के दरभंगा जिले में मोहर्रम के बाद बवाल

हिंदुओं के घरों पर हमला

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार में दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के बरिऔल चौक पर रविवार रात मोहर्रम के अवसर पर ताजिया विसर्जन एवं पहलाम के बाद उपद्रव और मारपीट की घटना से इलाके में तनाव फैल गया। उपद्रवियों ने कई घरों, दुकानों और मंदिर परिसर में हमला कर तोड़फोड़ की। घटना में कम से कम छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोप है इस दौरान हिंदुओं के घरों को निशाना बनाया गया। तनाव को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देररात कुछ लोगों ने बरिऔल चौक और आसपास के क्षेत्रों में उत्पात मचाया। उपद्रवियों ने कई घरों और दुकानों में तोड़फोड़ की। मंदिर की चाहरदीवारी क्षतिग्रस्त कर दी। दुकानों के शीशे तोड़ दिए तथा इलाके में लगे सीसीटीवी को भी नुकसान पहुंचाया। कई मकानों की एस्बेस्टस की चादरें भी क्षतिग्रस्त कर दी। इस दौरान रास्ते में जो लोग मिले उनके साथ मारपीट की गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और हालात पर काबू पाया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जाले रेफर किया गया। पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार कर अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापे मारे हैं।

पुलिस के अनुसार, घटना की पृष्ठभूमि में करीब चार वर्ष पूर्व हुए एक अंतरधार्मिक प्रेम विवाह से जुड़ा विवाद सामने आया है। बताया गया कि संबंधित युवक मोहर्रम के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा, जहां कुछ लोगों के साथ उसकी कहासुनी और हाथापाई हुई। इसके बाद कुछ लोग उसे खोजते हुए उसके गांव पहुंचे, जिसके बाद उपद्रव और तोड़फोड़ की घटना हुई। शुभेंद्र कुमार सुमन (एसडीपीओ कमतौल) ने बताया कि फिलहाल बरिऔल और आसपास के क्षेत्रों में स्थिति नियंत्रण में है। प्रशासन ने लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए स्पष्ट किया है कि मामले में शामिल सभी दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी का प्रॉक्सी वार या सपा की नई मुश्किल!

दो पाटों के बीच फंस गए हैं सपा सुप्रीमो!

अनिल भारद्वाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इस समय ऐसे राजनीतिक मोड़ पर खड़े हैं, जहां हर कदम जोखिम भरा दिखाई दे रहा है। भाजपा लगातार उन्हें 1990 के अयोध्या गोलीकांड और राम मंदिर के मुद्दे पर घेर रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ मुस्लिम धर्मगुरुओं और मौलानाओं के हालिया बयानों ने भी सपा नेतृत्व की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिना सीधे टकराव के ऐसा माहौल बनाने में लगी है, जिसमें अखिलेश यादव हिंदुत्व की राजनीति में स्वीकार्यता भी न हासिल कर पाएं और मुस्लिम वोट बैंक के भीतर भी संदेह पैदा हो जाए।

- मुस्लिम धर्मगुरुओं और मौलानाओं के हालिया बयानों ने भी सपा नेतृत्व की मुश्किलें बढ़ा दी

हाल के दिनों में कुछ मौलानाओं ने सार्वजनिक रूप से अखिलेश यादव पर सवाल उठाए हैं। किसी ने उन्हें मुस्लिम हितों पर पर्याप्त मुखर न होने का आरोप लगाया, तो किसी ने सपा पर भाजपा की ÷बी-टीम÷ होने तक की टिप्पणी कर दी। कुछ धर्मगुरुओं ने यहां तक कहा कि मुसलमानों को अब बिना शर्त किसी एक दल के साथ नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने राजनीतिक विकल्प खुले रखने चाहिए। इन बयानों ने सपा के उस सामाजिक समीकरण पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जो लंबे समय से मुस्लिम-यादव (एम-वाई) गठजोड़ पर आधारित माना जाता रहा है।

उधर भाजपा लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि समाजवादी पार्टी का इतिहास राम मंदिर आंदोलन के विरोध से जुड़ा रहा है। कारसेवकों पर गोली चलने का मुद्दा हर चुनाव में किसी न किसी रूप में सामने आता है। विरोधी यह भी सवाल उठाते हैं कि अखिलेश यादव अब तक नवनिर्मित राम मंदिर में दर्शन के लिए क्यों नहीं गए। सपा का कहना है कि वह धार्मिक आस्था का सम्मान करती है, लेकिन धर्म को राजनीति का माध्यम नहीं बनाना चाहती।

राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर उठे विवाद के बाद अखिलेश यादव ने अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक नगरी बनाने और %सियाराम धाम% विकसित करने का वादा किया। लेकिन भाजपा इसे चुनावी रणनीति बताते हुए उनकी मंशा पर सवाल उठा रही है।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सबसे बड़ी चुनौती अखिलेश यादव के सामने अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता बनाए रखने की है। यदि वे हिंदू मतदाताओं के बीच भरोसा नहीं बना पाते और मुस्लिम मतदाताओं का एक हिस्सा भी उनसे दूरी बनाने लगता है, तो समाजवादी पार्टी का परंपरागत सामाजिक समीकरण प्रभावित हो सकता है। यही वजह है कि राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा के वैचारिक हमलों और कुछ मौलानाओं के तीखे बयानों के बीच अखिलेश यादव इस समय ऐसी सियासी मझधार में फंस गए हैं, जिसका असर 2027 की चुनावी लड़ाई पर भी पड़ सकता है।

योगी सरकार ने विद्यालयों में स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए जारी किए निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। बदलती जलवायु चुनौतियों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार विद्यालयों में बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और जलवायु-अनुकूल वातावरण देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी नीति के अन्तर्गत विद्यालयों को नए सत्र में खोलने के साथ बेसिक शिक्षा विभाग ने 'हीट-संबंधी बीमारियों के प्रति विद्यार्थियों के संवेदनशीलकरण हेतु शिक्षकों के लिए दिग्दर्शिका-2026' जारी की है। अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा तथा माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के निर्देश पर तैयार इस दिग्दर्शिका का उद्देश्य शिक्षकों को हीट वेव से बचाव, हीट एग्जॉशन एवं हीट स्ट्रोक के लक्षणों की पहचान, प्राथमिक उपचार तथा विद्यार्थियों के प्रभावी बचाव के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही विद्यालयों

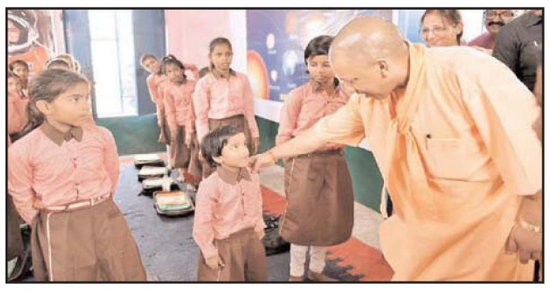

- विद्यार्थियों को लू से बचाने में शिक्षकों की होगी अहम भूमिका
- ऑरेंज और रेड हीट अलर्ट के दौरान बाहरी गतिविधियां स्थगित करने के निर्देश

में 'क्या करें-क्या न करें' संबंधी पोस्टरों के माध्यम से बच्चों, अभिभावकों और विद्यालय समुदाय को भी जागरूक किया जाएगा, ताकि भीषण गर्मी बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और विद्यालयी जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न डाल सके। हीट वेव से विद्यार्थियों की सुरक्षा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी

दिग्दर्शिका में स्पष्ट किया गया है कि हीट वेव से विद्यार्थियों की सुरक्षा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होंगे। शिक्षक प्रार्थना सभा, कक्षा शिक्षण, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा विद्यालय की दैनिक दिनचर्या के माध्यम से विद्यार्थियों को हीट वेव से बचाव के उपायों से अवगत कराएंगे। उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, तेज धूप से बचने, हल्के एवं सूती वस्त्र पहनने, जलयुक्त फलों के सेवन तथा हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षणों की पहचान के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही बच्चों को यह भी सिखाया जाएगा कि यदि किसी सहपाठी की तबियत बिगड़ती है तो तत्काल शिक्षक को सूचना दें।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर रुख साफकरें अखिलेश यादव, हाथरस से सीएम योगी की खुली चुनौती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हाथरस में आयोजित एक जनसभा के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने अखिलेश यादव से श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुद्दे पर अपना स्पष्ट रुख बताने की चुनौती देते हुए कहा कि यदि वह खुद को धार्मिक साबित करना चाहते हैं तो उन्हें मथुरा-वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भी खुलकर अपनी बात रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या को तो राम भक्तों ने संवार दिया है। यदि सचमुच धार्मिक बनने का प्रयास कर रहे हैं तो मथुरा की बात कीजिए, श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर खुलकर बोलिए और यह भी कहिए कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति का अभियान चलना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने का दावा करने से पहले अखिलेश यादव को अपनी सरकार का इतिहास देखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में रामभक्तों पर गोली चलाई गई थी और धार्मिक आयोजनों पर भी प्रतिबंध लगाए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या अपनी पहचान के लिए किसी राजनीतिक दल की मोहताज नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अयोध्या, मथुरा और काशी की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन जनसेवा और सुशासन का आदर्शः केशव प्रसाद मौर्य

गाजियाबाद/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन भारतीय संस्कृति, लोककल्याण और न्यायपूर्ण शासन का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी समाज और शासन व्यवस्था के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।उप मुख्यमंत्री रविवार को गाजियाबाद में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लोनी बॉर्डर बस डिपो के निकट विधायक निधि योजना से निर्मित होने वाले लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर स्मृति द्वार का शिलान्यास किया। साथ ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।अपने संबोधन में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने अपने आदर्श शासन, न्यायप्रिय प्रशासन और जनकल्याणकारी कार्यों से इतिहास में अमिट पहचान बनाई।

उन्होंने देशभर के अनेक धार्मिक स्थलों के संरक्षण और पुनर्निर्माण का कार्य कराया तथा जनसेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया।उन्होंने कहा कि लंबे समय तक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को वह सम्मान नहीं मिला जिसकी वह अधिकारिणी थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद देश के महान व्यक्तित्वों के योगदान को सम्मानपूर्वक जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया। उनकी 300वीं जयंती पूरे देश और प्रदेश में श्रद्धा और गौरव के साथ मनाई गई।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा देश लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को नमन कर रहा है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से भारतीय संस्कृति, परंपराओं और महान विभूतियों के सम्मान का कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि विधायक नन्द किशोर गुर्जर क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।

2027 में 2017 से भी बड़ा बहुमत मिलेगा : पंकज चौधरी

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी के राजाजीपुरम-सी ब्लॉक के सेंट जोसेफ स्कूल में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पहुंचे। कार्यक्रम में उन्होंने पदाधिकारियों को संबोधित किया। इसके बाद पौधरोपण भी किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री संजय राय महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी भी मौजूद रहे। इस दौरान पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने गरीबों और महिलाओं के कल्याण के लिए ऐतिहासिक काम किए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का चेहरा और पहचान बदल गई है। आज प्रदेश एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क विकसित करने के साथ निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 2017 से भी बड़े बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के कार्यक्रम मना रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जा रही है। प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाएं पहुंचाने का काम किया है। वहीं, मन की बात कार्यक्रम को उन्होंने लोगों को प्रेरित करने का माध्यम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने इसका कभी राजनीतिक उपयोग नहीं किया।

छात्रों के मुद्दों पर प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाएगी आम आदमी छात्र विंग

लखनऊ। आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई आम आदमी छात्र विंग (एएसएपी) उत्तर प्रदेश की संगठनात्मक बैठक रविवार को लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं छात्र विंग के उत्तर प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने की। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों और छात्र नेताओं ने भाग लिया। बैठक में छात्रों, युवाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए संगठन की नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन का निर्णय लिया गया।बैठक को संबोधित करते हुए वंशराज दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश का छात्र और युवा वर्ग गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के

समाधान के प्रति संवेदनशील नहीं है। उन्होंने कहा कि एएसएपी प्रदेशभर में छात्रों के अधिकारों और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर संगठित एवं निर्णायक संघर्ष करेगी।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है। वर्षों की मेहनत करने वाले लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, जिसमें वह विफल रही है।वंशराज दुबे ने छात्रवृत्ति वितरण में हो रही देरी पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि गरीब, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हजारों छात्र समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने के कारण पढ़ाई जारी रखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और कई विद्यार्थियों को पढ़ाई

- जल्द बनेगी नई प्रदेश कार्यकारिणी

बीच में छोड़नी पड़ रही है।उन्होंने निजी और सरकारी शिक्षण संस्थानों में बढ़ रही फीस का मुद्दा उठाते हुए सरकार से मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने तथा ऐसी व्यवस्था लागू करने की मांग की, जिससे आर्थिक स्थिति किसी भी छात्र की शिक्षा में बाधा न बने।रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि लाखों योग्य युवा डिग्रियां लेने के बावजूद रोजगार के लिए भटक रहे हैं। सरकार युवाओं को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने में असफल रही है और रोजगार सृजन उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एजेंसी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर सेमिनार 13 अगस्त को

लखनऊ। ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन का 13 अगस्त को राष्ट्रीय सेमिनार होगा। बाराबंकी के इतिहास में पहली बार तमिलनाडु से लेकर मणिपुर के छात्र प्रतिनिधि आल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के नब्बे वर्ष पूरे होने के अवसर पर पहुंच रहे हैं। मीडिया से मुखातिब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य परिषद सदस्य रणधीर सिंह सुमन ने बताया कि सांसद पी. संतोष कुमार विशेष तौर पर आ रहे हैं ।पूर्व सांसद सैयद अजीज पाशा सहित कई पूर्व नेता आ रहे हैं। कार्यक्रम की शुरूआत गांधी भवन देवां रोड से रैली बनाकर अम्बेदकर मूर्ति पर माल्यार्पण से होगी।संगठन के नब्बे वर्ष पूरे होने पर विभिन कार्यक्रम होगे। तेरह अगस्त को राष्ट्रीय स्तर का सेमिनार नई शिक्षा नीति पर होगा।कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश तेलंगाना बिहार केरल तमिलनाडु महाराष्ट्र उडीसा पंजाब पाडेचेरी दिल्ली झारखंड राजस्थान मणिपुर पश्चिम बंगाल छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश हिमाचल प्रदेश असम त्रिपुरा हरियाणा जम्मू कश्मीर व गुजरात के छात्र नेताओं की आने की स्वीकृति मिल चुकी है।

भाजपा सरकार नौकरियों, आरक्षण और युवाओं के भविष्य से कर रही खिलवाड़: अखिलेश

एजेंसी

प्रयागराज/लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर नौकरियों, आरक्षण, भर्ती परीक्षाओं और कानून-व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान के अनुरूप आरक्षित वर्गों को उनका अधिकार और सम्मान नहीं दे रही तथा भर्ती प्रक्रियाओं में व्यापक अनियमितताएं हो रही हैं।रविवार को प्रयागराज में आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपनी 'पीडीए ऑडिट अंक-1 : पीडीए आरक्षण घोटाला बुकलेट' के माध्यम से 22 भर्ती परीक्षाओं में आरक्षण की कथित अनियमितताओं का विवरण सार्वजनिक किया था, लेकिन सरकार ने अब तक उसका कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को निर्धारित आरक्षण का लाभ नहीं मिला।उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं का

भविष्य संकट में डाल दिया है। सरकार भर्ती परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराने में विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अनेक महत्वपूर्ण भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए, जिससे युवाओं का सरकार पर विश्वास कमजोर हुआ है।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पेपर लीक अथवा अन्य कारणों से आयु सीमा पार कर चुके युवाओं को तीन वर्ष की अतिरिक्त आयु सीमा में छूट दी जाएगी। सभी विभागों की भर्ती परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाएगा तथा विज्ञापन से लेकर नियुक्ति तक की समय-सीमा पहले से निर्धारित रहेगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा और पेपर लीक के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है और सरकार को इस पूरे मामले पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता रामधन का हिसाब मांग रही है।लखनऊ के कोचिंग संस्थान में हुई अग्निकांड की घटना पर अखिलेश यादव ने कहा कि यदि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए होते तो इतनी बड़ी जनहानि नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने में विफल रही है।

सोशल मीडिया पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाले आरक्षी सुनील शुक्ला बर्खास्त

लखनऊ,एजेंसी। सोशल मीडिया के जरिए पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने, वरिष्ठ अधिकारियों पर बेबुनियाद आरोप लगाने और विभागीय अनुशासन का उल्लंघन करने के आरोप में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात आरक्षी सुनील कुमार शुक्ला को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। विभागीय जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस आयुक्त ने यह कार्रवाई की। पुलिस आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, सात मई को गठित जांच समिति ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की। इस दौरान आरक्षी सुनील कुमार शुक्ला समेत सभी संबंधित पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए गए और उन्हें अपने पक्ष में साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया गया। हालांकि, शुक्ला अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सके। दरअसल, पिछले महीने सुनील कुमार शुक्ला ने सोशल मीडिया पर लगातार कई वीडियो जारी कर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी तैनाती में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि कमिश्नरेट में कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल से

- विभागीय जांच में दोषी साबित

ड्यूटी लगाने के नाम पर दो-दो हजार रुपये वसूले जाते हैं तथा कुछ आईपीएस अधिकारी भ्रष्ट सामंती व्यवस्थाएं चला रहे हैं। उस समय लखनऊ पुलिस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। विभागीय जांच में पाया गया कि आरक्षी ने बिना किसी तथ्य और साक्ष्य के वरिष्ठ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस विभाग की छवि खराब करने, पुलिस बल में अनुशासनहीनता फैलाने और अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने का भी दोषी पाया गया। बयान के मुताबिक, आरक्षी ने बिना विभागीय अनुमति सोशल मीडिया का उपयोग कर उत्तर प्रदेश सोशल मीडिया नीति-2023, उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली-1956 के नियम 3, 6, 7 और 27 तथा उत्तर प्रदेश वर्दी विनियम का उल्लंघन किया।

एक नजर

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा एक परिवार है जिसे संगठित रखना मेरा कर्तव्यः सरोज कुशवाहा

लखनऊ,एजेंसी। प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा का दायित्व ग्रहण करने के पश्चात आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी के सफलतम कार्यक्रम मन की बात के 135 वें संस्करण को पूर्वी मंडल 3 विवेकानंद पुरी वार्ड के बूथ संख्या 312 पर मंडल अध्यक्ष रीना चौरसिया जी के सहयोग से पूर्वी विधानसभा के माननीय विधायक श्री ओपी श्रीवास्तव जी के साथ सुना गया इस अवसर पर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा जी का महिला मोर्चा की बहनों द्वारा भव्य स्वागत व अभिवादन किया गया सरोज कुशवाहा जी ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व में उन्हें महिलाओं को एक सूत्र में बांधने की जो यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है उसे वह शत प्रतिशत निष्ठा के साथ पूर्ण करेंगी यभारतीय जनता पार्टी की प्रत्येक महिला हमारा परिवार है और उससे प्रदेश व केंद्र की योजनाओं का सीधा लाभ उपलब्ध कराना हम सब का परम कर्तव्य है जिसे हम अंतिम स्वास तक पूर्ण करने का प्रयास करते रहेंगे।

कोल्ड स्टोरेज में लगी भीषण आग, इलाके में मचा हड़कंप

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अग्निकांड की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला रविवार सुबह चिनहट इलाके का है, जहां एक कोल्ड स्टोरेज में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में उसकी ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं। पूरे क्षेत्र में घना धुआं फैल गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरू कर दी गईं। प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। स्थानीय जानकारी के अनुसार, सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले कुछ लोगों ने सबसे पहले कोल्ड स्टोरेज से धुआं उठते देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर आसपास के घरों को खाली करवा दिया है, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

उल्लास बाल पर्व की दूसरी संध्या आज, दो प्रस्तुतियां होंगी

लखनऊ। यायावर रंगमंडल एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय उल्लास बाल पर्व-2026 की दूसरी संध्या सोमवार को कैसरबाग स्थित राय उमानाथ बली ऑडिटोरियम में शाम सात बजे से आयोजित होगी। पूरी तरह बाल रंगकर्म को समर्पित इस महोत्सव का यह 32वां संस्करण है, जिसमें शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के बाल कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में जानकीपुरम स्थित पूरन शिक्षा केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा 'गोपाल से जगत पाल तक' लघु नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। इसकी परिकल्पना एवं नृत्य निर्देशन वंशिका शर्मा ने किया है, जबकि विनय कुमार सहायक निर्देशक हैं। इसके बाद गोमतीनगर स्थित सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा योगेंद्र जोशी के लेखन पर आधारित नाटक 'एक सपना' का मंचन किया जाएगा। इस प्रस्तुति का निर्देशन अंकित श्रीवास्तव ने किया है। आयोजकों के अनुसार, उल्लास बाल पर्व का उद्देश्य बच्चों में रंगकर्म, अभिनय, सृजनात्मकता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति रुचि विकसित करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रंगकर्मी, अभिभावक और संस्कृति प्रेमियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों ने शहरवासियों से कार्यक्रम में पहुंचकर बाल कलाकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। एजेंसी

राजधानी में पल्स पोलियो अभियान का आगाज

2,783 बूथों पर बच्चों को पिलाई गई दवा

एजेंसी

लखनऊ,एजेंसी। राजधानी में रविवार से सघन पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हो गई। वीरांगना अवंतीबाई जिला महिला चिकित्सालय में उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. नीरज बोरा ने बच्चों को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस बार शून्य से पांच वर्ष तक के 7.07 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर और आजीवन दिव्यांगता का कारण बनने वाली

बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर पोलियो की दवा पिलाना है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने हर बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलवाएं, भले ही उसे पहले कई बार यह दवा दी जा चुकी हो। उन्होंने कहा कि अभियान से कोई भी बच्चा वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि अभियान के तहत बूथों, घर-घर भ्रमण और ट्रांजिट स्थलों पर बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाई जाएगी। ईंट-भट्ठों, निर्माण स्थलों और घुमंतू परिवारों के बच्चों तक भी विशेष रूप से पहुंच बनाई जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा दवा से वंचित न रह जाए। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन जिले के 2,783 बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। सोमवार से स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएंगी। जो बच्चे फिर भी छूट जाएंगे, उन्हें 6 जुलाई को मॉप-अप राउंड में पोलियोरोधी दवा पिलाई जाएगी। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए 131 मोबाइल टीमें, 227 ट्रांजिट टीमें, 593 सुपरवाइजर, 6,850 वैक्सीनेटर और 15 डिवीजनल अधिकारियों की तैनाती की गई है। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, टेंपो स्टैंड समेत प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं, ताकि यात्रा कर रहे बच्चों को भी पोलियो की खुराक दी जा सके। कार्यक्रम में डॉ. एके सिंह, डॉ. संजय दोहरे, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतीश यादव, रिचा मौर्या, रितांशी शुक्ला, मृदुला पांडेय, विजय बाजपेई सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि, नर्सिंग छात्र-छात्राएं और लाभार्थी मौजूद रहे।

नंदी के इस कान में बोलने से पूरी होगी हर इच्छा, बस इन नियमों का करें पालन

हमारे देश में भगवान शिव के तमाम मंदिर हैं। भगवान शिव के मंदिर में नंदी जरूर विराजमान होते हैं। बताया जाता है कि जहां पर नंदी नहीं होते हैं, वहां पर भगवान शिव का भी निवास नहीं होता है। ऐसे में जब भी हम भगवान शंकर के मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं, तो अपनी मनोकामना नंदी जी के कान में करते हैं। यह मान्यता सदियों से चली आ रही है। भगवान शिव-शंकर ने नंदी जी को यह वरदान दिया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नंदी जी के कौन ने कान में अपनी मनोकामना कहनी चाहिए। अगर आपका जवाब नहीं है, तो हम आपको इस बारे में बताने जा रहे हैं।

किस कान में कहें अपनी इच्छा

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, जब भी मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए जाएं, तो उस समय तक मौन रहें जब तक आप अपनी मनोकामना नंदी जी के कान में नहीं कह देते हैं। वहीं अगर आप इसको सरल शब्दों में कहें, तो यदि आप महादेव की पूजा-अर्चना और नंदी के कान में अपनी इच्छा कहने से पहले किसी से बात करते हैं, तो यह अशुद्ध माना जाता है। क्योंकि ऐसा करने पर आपकी शुद्धता भंग हो जाती है। शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि भगवान की पूजा के समय मौन रहना चाहिए। जिससे कि आपके शरीर में दिव्य ऊर्जा बनी रहे और वह ऊर्जा मुंह के जरिए बाहर न निकले। भगवान शिव शंभू ने नंदी को वरदान दिया था, यदि कोई व्यक्ति शिव पूजन के बाद मौन रखते हुए अपनी मनोकामना नंदी के बाएं कान में कहेगा। उसकी हर मनोकामना जरूर पूरी होगी। बता दें कि कई लोग अक्सर यह गलती करते हैं कि नंदी जी के सीधे कान में अपनी इच्छा बोलते हैं। वहीं बहुत सारे लोग नंदी के कान के पास न जाकर दूर से ही अपनी इच्छा बोल देते हैं। ऐसा करना गलत है।

सावन के महीने में हरिद्वार के इस मंदिर में विराजते हैं महादेव, कर आएं दर्शन

हमारे देश में भगवान शिव-शंकर के कई मंदिर हैं, जो अपनी मान्यताओं और रोचक इतिहास को लेकर काफी ज्यादा फेमस हैं। दूर-दूर से श्रद्धालु इन मंदिरों में भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए आते हैं। बता दें कि इसी तरह हरिद्वार में भगवान शिव को समर्पित दक्षेश्वर महादेव मंदिर है, जो श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है। हरिद्वार में भगवान शिव को समर्पित दक्षेश्वर महादेव मंदिर की कथा भगवान शिव और राजा दक्ष से जुड़ी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के इतिहास के बारे में बताने जा रहे हैं।

पौराणिक कथा

एक बार राजा दक्ष ने भव्य यज्ञ का आयोजन किया था। इस यज्ञ में भगवान शंकर के अलावा सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया गया। लेकिन माता सती ने भगवान शिव से जिद कर यज्ञ में जाने की अनुमति ली। जब सती अपने पिता दक्ष के यहां पहुंचती हैं, तो राजा दक्ष भगवान शिव का अपमान करते हैं। जिसको माता सती सहन नहीं कर पाती हैं और अग्निकुंड में कूदकर आत्मदाह कर लेती हैं। माता सती के आत्मदाह के बाद भगवान शिव क्रोध में आकर अपनी जटाओं से वीरभद्र को पैदा करते हैं और राजा दक्ष का सिर काट देते हैं। वहीं देवी-देवताओं के काफी अनुरोध करने पर भगवान शंकर ने दक्ष को जीवनदान दिया और बकरे का सिर लगा दिया। तब राजा दक्ष ने अपनी गलती की माफी मांगी। तब महादेव ने राजा दक्ष को माफ करते हुए वचन दिया कि हरिद्वार का मंदिर हमेशा उनके नाम से जुड़ा रहेगा। साथ ही महादेव ने राजा दक्ष को वचन दिया कि वह हर साल सावन के महीने में कनखल में ही निवास करेंगे।

किसने बनवाया था मंदिर

बताया जाता है कि साल 1810 में रानी धनकौर ने दक्षेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण करवाया था। वहीं साल 1962 में इस मंदिर का फिर से पुनर्निमाण कराया गया। इस मंदिर में भगवान श्रीहरि विष्णु के पद चिन्ह बने हैं। इस मंदिर के पास गंगा नदी बहती है। इस मंदिर के किनारे दक्षा घाट है। इस मंदिर को माता सती के पिता राजा दक्ष की याद में बनवाया गया है।

मंदिर की खासियत

मान्यता के अनुसार, भगवान शिव ने राजा दक्ष को वचन दिया था कि वह इस मंदिर में दक्षेश्वर महादेव के रूप में पूजे जाएंगे। साथ ही वह अपनी ससुराल यानी की कनखल में निवास करेंगे। इसी वजह से सावन के महीने में मंदिर में स्थापित शिवलिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। बताया जाता है कि मंदिर में स्थापित शिवलिंग धरती लोक के साथ पाताल लोक में भी स्थापित है।

अपने संकल्प के बारे में भगवान शंकर ने श्रीसती को कुछ नहीं कहा

भगवान शंकर के हृदय की पीड़ा को भला कौन समझ सकता था? जब से उन्होंने जाना, कि श्रीसती जी ने, जगत जननी जी का शरीर धारण किया है, तब से उनके होंठों पर मानों ताला ही पड़ गया था। वे अपने मुख से एक शब्द तक भी प्रवाहित नहीं कर रहे थे।

इसका एक की कारण था, कि अब वे श्रीसती जी को पत्नी रुप में, किसी भी आधार पर स्वीकार नहीं कर सकते थे। क्योंकि जिस देह को, श्रीसती जी ने उनकी माता जानकी जी की देह में परिवर्तित कर दिया हो, उस पूजनीय देह को, वे पत्नी रुप में कैसे धारण कर सकते थे-

'तब संकर प्रभु पद सिरु नावा।
सुमिरत रामु हृदयँ अस आवा।।
एहिं तन सतिहि भेंट मोहि नाहीं।
सिव संकल्पु कीन्ह मन माहीं।।'

तब भगवान शंकर जी ने श्रीरामचन्द्र जी के चरण कमलों में सिर नवाया, और उनके मन में यह आया, कि अब श्रीसती जी से मेरी पति-पत्नी रुप में भेंट नहीं हो सकती। फिर भगवान शंकर जी ने मन में यह संकल्प किया। अपने संकल्प के बारे में उन्होंने श्रीसती जी को कुछ न कहा। उन्हें भला श्रीसती जी से क्या कहना था? वे तो चुपचाप कैलास की ओर चल पड़े। जब वे कैलास की ओर चले, तो आकाशवाणी हुई, कि 'हे भगवान शंकर जी! आपको छोड़ कर ऐसी प्रतिज्ञा भला कौन कर सकता है? आप श्रीरामचन्द्र जी के भक्त हैं, समर्थ हैं और भगवान हैं।' इस आकाशवाणी को सुनकर श्रीसती जी के मन में चिंता हुई और उन्होंने संकुचाते हुए शिवजी से पूछ भी-

'कीन्ह कवन पन कहहु कृपाला।
सत्यधाम प्रभु दीनदयाला।।
जदपि सतीं पूछा बहु भाँति।
तदपि न कहेउ त्रिपुर आराती।।'

श्रीसती जी ने कहा, 'हे कृपालु! कहिए, आपने कौन सी प्रतिज्ञा की है? हे प्रभु! आप सत्य के धाम और दीनदयालु है।' बहुत पूछने पर भी भगवान त्रिपुरारि ने कुछ न कहा। तब श्रीसती जी ने सोचा, कि शिव जी सब जान गये हैं। प्रीति की सुंदर रीति देखिये, कि दूध में पानी मिला हो, तो पानी भी दूध के ही भाव बिकता है। लेकिन अगर कपट रुपी खटाई उसमें मिल जाये, तो वही दूध फट जाता है, और उसका स्वाद शून्य हो जाता है। अपनी करनी को याद करके श्रीसती जी के हृदय में अपार चिंता है। जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता। श्रीसती जी भी समझ गई थी, कि शिवजी कृपा के अथाह सागर हैं। इससे प्रगट रुप में उन्होंने मेरा अपराध नहीं कहा। शिव जी का रुख देख कर, श्रीसती जी ने भी समझ लिया, कि उन्होंने मेरा त्याग कर दिया है। यह सोच कर वे व्याकुल हो उठी। अपना पाप कहते कुछ कहते नहीं बनता, लेकिन हृदय की दशा ऐसी थी, मानों भीतर ही भीतर, वे कुम्हार की आँवे के समान अत्यंत जल रही थी। इधर भगवान शंकर का हृदय भी तो देखिये। उन्होंने जब देखा, कि श्रीसती जी अत्यंत व्याकुल हैं, तो तब भी उन्होंने कोई ताने इत्यादि नहीं दिये। अपितु उनके मन को सुख देने के लिए अनेकों सुंदर कथायें कही। और ऐसे ही मार्ग में विवध प्रकार के इतिहासों को कहते हुए विश्वनाथ कैलास जा पहुँचे-

'सतिहि ससोच जानि बृषकेतू।
कहीं कथा सुंदर सुख हेतू।।
बरनत पंथ बिबिध इतिहासा।
बिस्वनाथ पहुँचे कैलासा।।'

वहाँ जाकर भी ऐसा नहीं था, कि वे श्रीसती जी का अपमान कर रहे थे, अथवा कोई अहसास करवा रहे थे, कि सती कोई बहुत बड़ी अपराधी है। वे श्रीसती जी से नफरत भी नहीं कर रहे थे। बल्कि उनके मन में दया भाव था। लेकिन समस्या यह थी, कि श्रीसती जी ने गलती ही ऐसी कर डाली थी, कि उन्हें उसका कोई उपचार ही समझ नहीं आ रहा था। ऐसे में शिवजी एक ही कार्य किया करते हैं, और वह है चिरकाल के लिए समाधि में चले जाना। वे जाकर वटवृक्ष के नीचे आसन लगाकर बैठते हैं, और बैठते ही उनकी अखण्ड व अपार समाधि लग जाती है-

'तहँ पुनि संभु समुझि पन आपन।
बैठे बट तर करि कमलासन।।
संकर सहज सरुपु सम्हारा।
लागि समाधि अखंड अपारा।।'

शिवजी के समाधि में जाने के पश्चात, श्रीसती जी के हृदय में कैसे-कैसे विचार आते हैं? उनका समय कैसे कट रहा था? ऐसे अनेकों प्रश्नों के उत्तर हमारे मन में कौंध रहे होंगे। जिनका समाधान हम अगले अंक में खोजेंगे।

किसी को दे बैठी हैं दिल, कैसे करें अपने प्यार का इजहार?

किसी के प्यार में पड़ना आसान है, लेकिन उसके सामने अपनी भावनाओं को स्वीकार करना मुश्किल, है न? अपने सपनों के रोमियो के पास जाना और उसे यह बताना कि आप उससे प्यार करती हैं, इतना मुश्किल क्यों है? जब हमारे पेट में तितलियाँ उड़ती हैं और हमें कदम उठाने के लिए प्रेरित करती हैं, तब हमारा दिल हमारे लिए यह काम मुश्किल क्यों बना देता है? शायद इसलिए क्योंकि दिल टूटने से डरता है।

अच्छा लड़कियों, अपने शायद को छोड़ो और मेरी बात सुनो। अगर तुम्हें किसी लड़के पर क्रश है और वह सिंगल है, तो जाओ और अपने दिल की बात कह दो। हाँ, यह डरावना लग सकता है, लेकिन कभी-कभी जोखिम लेना ही सही होता है। अगर तुम नहीं जानती कि चीजों को अपने पक्ष में कैसे करना है, तो मैं तुम्हें कुछ टिप्स बताती हूँ जो तुम्हारी मदद करेंगी। अपने बेहद खूबसूरत रोमियो के साथ प्यार भरी कॉफी डेट के बाद मुझे धन्यवाद देना मत भूलना।

सीधे तरीके से कहें अपनी बात

सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन कई बार सीधे-सादे तरीके से अपनी बात रखना सही रहता है। अगर क्रश के साथ आपकी अच्छी बातचीत है और आपको कभी उनके साथ अकेले में मौका मिले तो उसका फायदा उठाएं। सबसे पहले गहरी सांस लें और उनको बोले की आपको उनसे कुछ बात करनी है। अगर वो हाँ कहते हैं तो अपने दिल की बात उनके सामने रखें।

इस दौरान जो ध्यान रखने वाली बात है वह यह है कि वह शायद तुरंत जवाब न दें और अगर वह ऐसा करते हैं तो आपको उन्हें फॉर्स नहीं करना है।

उनसे बाहर चलने के लिए पूछें

चीजों को खराब किए बिना अपने क्रश से बाहर जाने के लिए पूछें। आप उनसे मूवी देखने चलने या फिर किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने के लिए चलने को पूछ सकते हैं। उदाहरण के लिए- मैंने एक नया कैफे देखा है, जहाँ मैं जाना चाहती हूँ। क्या तुम मेरे साथ चलना चाहोगे?

इसके अलावा आप चाहें तो अपने वीकेंड के प्लान पर क्रश को बुला सकते हैं या फिर कहीं घूमने जा रहे हैं तो एक बार क्रश से पूछ सकते हैं।

क्रश के साथ फ्लर्ट करें लेकिन संभलकर

क्रश के साथ फ्लर्ट करना मजेदार होगा। आप किसी चीज को लेकर क्रश की तारीफ कर सकते हैं। लेकिन इस दौरान ध्यान रखें कि आपको अपनी लिमिट में रहना है वरना बात बिगड़ सकती है। अगर आपको लग रहा है कि आपके फ्लर्ट करने से क्रश को अजीब लग रहा है तो ये सब वहीं रोक दें।

अपने दोस्तों की मदद लें

क्रश को पटाने के लिए दोस्तों की मदद लेने में कोई बुराई नहीं है। हाँ, ये आईडिया थोड़ा डरावना हो सकता है, लेकिन आपकी मदद जरूर करेगा।

दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनाए और क्रश को भी आमंत्रित करें। शुरुआत में, बाहर के प्लान बनाए फिर आप चाहें तो घर पर नाईट आउट कर सकते हैं।

कम हो सकता है हृदय में रक्त का प्रवाह

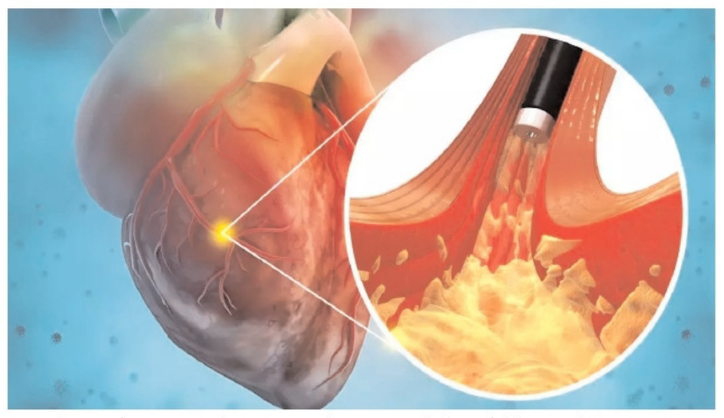

उच्च रक्तचाप के कारण आपके हृदय में रक्त का प्रवाह कम होने लग जाता है जिसके कारण सीने में दर्द की समस्या हो सकती है। इसे एनजाइना भी कहा जाता है। इस दर्द के साथ आपको असहजता, दबाव जैसा महसूस हो सकता है। इस तरह के लक्षण हार्ट अटैक की स्थिति में भी होते हैं इसलिए अगर ये दिक्कत हो रही है तो तुरंत किसी डॉक्टर से मिलकर ब्लड प्रेशर की जांच करें। इसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन की समस्या संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक मानी जाती है। हृदय से लेकर किडनी, पाचन तंत्र, मस्तिष्क और आंखों पर भी इसका दुष्प्रभाव हो सकता है। हालांकि हाई ब्लड प्रेशर के कारण होने वाली समस्याओं में सबसे ज्यादा चर्चा हृदय रोगों की होती है। यह हृदय के लिए रक्त को पंप करने की समस्या से लेकर मांसपेशियों पर दबाव और गंभीर स्थितियों में हार्ट अटैक तक का कारण बन सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर किस प्रकार से हृदय के लिए दिक्कतें बढ़ाता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, उच्च रक्तचाप हृदय के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा बन जाता है। भारत में, हृदय रोगों का बोझ खतरनाक रूप से बढ़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत में 220 मिलियन से अधिक लोग उच्च रक्तचाप से प्रभावित हैं। यह स्थिति विभिन्न कारकों से उत्पन्न हो सकती है, जैसे बढ़ती उम्र, तनावपूर्ण जीवनशैली, अस्वास्थ्यकर आहार और शारीरिक निष्क्रियता आदि।

हृदय की समस्याएं

हाई ब्लड प्रेशर के कारण हृदय पर होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में अमर उजाला से बातचीत में लखनऊ के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ एस.के श्रीवास्तव बताते हैं, उच्च रक्तचाप सबसे पहले आपकी धमनियों को क्षति पहुंचाता है। इससे धमनियों की लोच कम होने लगती है, जिससे आपके हृदय में रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह कम हो जाता है, यह समस्या अगर लंबे समय तक बनी रहती है तो आपमें हृदय रोग और इससे संबंधित गंभीर जटिलताओं का खतरा अधिक हो सकता है। समय के साथ, उच्च रक्तचाप के कारण हृदय पर पड़ने वाला दबाव हृदय की मांसपेशियों को कमजोर कर सकता है और जिसके कारण भी आपको हृदय रोगों का जोखिम रहता है। आइए जानते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर की पहचान कैसे की जा सकती है?

धड़कन हो सकती है अनियमित

उच्च रक्तचाप हृदय की नियमित लय को प्रभावित करता है जिससे आपके दिल की धड़कन के पैटर्न में अनियमितता हो सकती है। इस स्थिति में आपका दिल बहुत तेज या फिर कम गति से धड़कने लगता है। इस प्रकार की स्थिति हृदय की सेहत के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली मानी जाती है। अनियमित दिल की धड़कनों के कारण हृदय के गंभीर रोगों या हार्ट अटैक तक का जोखिम रहता है।

सांस फूलने-थकान की दिक्कत

यदि आप अक्सर सांस फूलने का अनुभव करते हैं जो शारीरिक गतिविधि के साथ और बढ़ जाता है, तो यह उच्च रक्तचाप का लक्षण हो सकता है। इस तरह के संकेत आपके हृदय के लिए अच्छे नहीं हैं। इसके अलावा लंबे समय तक अस्पष्टीकृत थकान भी उच्च रक्तचाप से जुड़ी होती है। यह सिरदर्द, चक्कर आने, धुंधली दृष्टि की समस्या का भी कारण बनती है। इस तरह की दिक्कतों में तुरंत ब्लड प्रेशर की जांच और इसका इलाज कराएं।

धुंधला दिखना सिर्फ आंखों की ही समस्या नहीं, इन गंभीर बीमारियों का भी हो सकता है संकेत

लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण आंखों से संबंधित कई तरह की समस्याएं तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। कम उम्र में ही लोग धुंधला दिखाई देने की समस्या से परेशान हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, वैसे तो आंखों की कई बीमारियों में आपको चीजों को स्पष्ट न देख पाने की समस्या हो सकती है, हालांकि हर बार जरूरी नहीं है कि ये दिक्कत आंखों की समस्या के कारण ही हो रही हो। कुछ स्थितियों में पाया गया है कि कई अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं के चलते भी आपको आंखों से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। आंखों की कई बीमारियां जिसमें प्रकाश ठीक तरीके से केंद्रित नहीं हो पाता है इसके कारण धुंधला दिखाई देने की समस्या हो सकती है। युवाओं में स्मार्टफोन विजन सिंड्रोम के कारण भी यह दिक्कत देखी जा रही है, हालांकि अगर आंखों के इलाज के बाद भी इस समस्या में सुधार नहीं हो रहा है तो डॉक्टर से मिलकर कुछ अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं की भी जांच करानी चाहिए। क्या आप लंबे समय से किसी स्क्रीन को देखने वाला काम करते हैं? जब हम इस तरह ध्यान केंद्रित कर रहे होते हैं तो अक्सर कम बार पलकें झपकाते हैं। पलकों को कम झपकाने के कारण आंख के सतह को चिकनाहट देने और इसे तरोताजा रखने के लिए आंसू भी कम होने लग जाती है, जिसके कारण भी धुंधला दिखाई देने की समस्या हो सकती है। स्क्रीन पर लंबा वक्त बिताना या फिर आंखों पर अधिक दबाव से काम करते रहने की आदत भी धुंधली दृष्टि की समस्या का कारण हो सकती है। यदि आपके रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित नहीं रहता है तो इसके कारण भी आंखों की समस्याएं, विशेषकर धुंधला दिखना शुरू हो जाता है। हालांकि ज्यादातर मामलों में जैसे-जैसे आपका ग्लूकोज लेवल सामान्य होता जाता है, यह दिक्कतें भी कम होने लगती हैं। मधुमेह वाले लोगों को रेटिनोपैथी, आंख के पिछले हिस्से में रक्तस्राव और आंखों से संबंधित अन्य समस्याओं का जोखिम अधिक होता है, यदि आपको डायबिटीज है तो इसे कंट्रोल में रखें।

ब्लड प्रेशर का अधिक या कम होना दोनों शरीर के लिए हानिकारक है। इसके कारण न सिर्फ आपको कमजोरी और चक्कर आने की समस्या महसूस हो सकती है साथ ही यह आंखों को भी प्रभावित करने वाला माना जाता है। यदि आपका रक्तचाप बहुत कम-अधिक है, कुछ दवाओं का सेवन कर रहे हैं, हृदय की समस्याएं है तो इसमें भी धुंधला दिखाई देने की समस्या होना काफी सामान्य है। लगभग एक चौथाई लोग जिन्हें माइग्रेन होता है, उन्हें आमतौर धुंधला दिखाई देने की समस्या हो सकती है। कई बार देखते समय ऐसा लग सकता है जैसे आप पानी या टूटे शीशे में से देख रहे हैं। आपको सिरदर्द के बिना या बाद में भी दृष्टि संबंधी लक्षण हो सकते हैं।

अपनी ही धुन में मस्त रहना

हंसी कुछ ऊर्जा तुम्हारे अंतर्केंद्र से परिधि पर ले आती है। ऊर्जा हंसने के पीछे छाया की भांति बहने लगती है। तुमने कभी इस पर ध्यान दिया? जब तुम वास्तव में हंसते हो, तो उन थोड़े से क्षणों के लिए तुम एक गहन ध्यानपूर्ण अवस्था में होते हो। विचार प्रक्रिया रुक जाती है। हंसने के साथ-साथ विचार करना असंभव है। वे दोनों बातें बिलकुल विपरीत हैं या तो तुम हंस सकते हो या विचार ही कर सकते हो। यदि तुम वास्तव में हंसो तो विचार रुक जाता है। यदि तुम अभी भी विचार कर रहे हो तो तुम्हारा हंसना थोथा और कमजोर होगा। वह हंसी अपंग होगी। जब तुम वास्तव में हंसते हो, तो अचानक मन विलीन हो जाता है। जहां तक मैं जानता हूं, नाचना और हंसना सर्वोत्तम, स्वाभाविक व सुगम द्वार हैं। यदि सच में ही तुम नाचो, तो सोच-विचार रुक जाता है। तुम नाचते जाते हो, घूमते जाते हो और एक भंवर बन जाते हो, सब सीमाएं, सब विभाजन समाप्त हो जाते हैं। तुम्हें इतना भी पता नहीं रहता कि कहां तुम्हारा शरीर समाप्त होता है और कहां अस्तित्व शुरू होता है। तुम अस्तित्व में पिघल जाते हो और अस्तित्व तुममें पिघल आता है, सीमाएं एक-दूसरे में प्रवाहित हो जाती हैं और यदि तुम सच ही नाच रहे हो, उसे नियंत्रित नहीं कर रहे बल्कि उसे स्वयं को नियंत्रित कर लेने दे रहे हो। स्वयं को वशीभूत कर लेने दे रहे हो। यदि तुम नृत्य से वशीभूत हो जाओ, तो सोच-विचार रुक जाता है। हंसने के साथ भी ऐसा ही होता है। यदि तुम हंसी से आविष्ट और आच्छादित हो जाओ तो सोच-विचार रुक जाता है। निर्विचार की दशा के लिए हंसना एक सुंदर भूमिका बन सकती है। हंसी ध्यान के लिए निर्देश-हर सुबह जब जागें, तो अपनी आंखें खोलने से पहले शरीर को बिल्ली की तरह तानें। तीन या चार मिनट बाद, आंखें बंद रखे हुए ही हंसना शुरू करें। पांच मिनट के लिए बस हंसें ही। पहले-पहले तो आप इसे सप्रयास करेंगे, लेकिन शीघ्र ही आपके प्रयास से पैदा की गई ध्वनि प्रामाणिक हंसी को जगा देगी। स्वयं को हंसी में खो दें। शायद इस घटना को वास्तव में घटने में कई दिन लग जाएं क्योंकि हम इससे बहुत अपरिचित हैं। परंतु शीघ्र ही यह सहज हो जाएगा और आपके पूरे दिन का गुण ही बदल जाएगा। हंसते हुए बुद्ध, जापान में हंसते हुए बुद्ध होतेई की एक कहानी है। उसका पूरा संदेश बस हंसना ही था। वह एक स्थान से दूसरे स्थान, एक बाजार से दूसरे बाजार घूमता रहता। वह बाजार के बीचोंबीच खड़ा हो जाता और हंसने लगता, यही उसका प्रवचन था। उसकी हंसी सम्मोहक थी, संक्रामक थी, एक वास्तविक हंसी, जिससे पूरा पेट स्पंदित हो जाता, तरंगायित हो जाता। वह हंसते-हंसते जमीन पर लोटने लगता। जो लोग जमा होते, वे भी हंसने लगते और फिर तो हंसी फैल जाती, हंसी की तूफानी लहरें उठती और पूरा गांव हंसी से आप्लावित हो जाता। लोग राह देखते कि कब होतेई उनके गांव में आए क्योंकि वह अद्भुत आनंद और आशीष लेकर आता था। उसने कभी भी एक शब्द नहीं बोला, कभी भी नहीं। तुम बुद्ध के बारे में पूछो और वह हंसने लगता, तुम बुद्धत्व के बारे में पूछो और वह हंसने लगता, तुम सत्य के बारे में पूछते कि वह हंसने लगता। हंसना ही उसका एकमात्र संदेश था। वह तो सदा अपनी ही धुन में मस्त रहता था। उसे दुनिया से कुछ लेना-देना नहीं था। अगर हम भी ऐसी हंसी को अपने जीवन में धारण कर लें तो, सब झंझट ही खत्म। हंसने से शरीर में एक अलग ही ऊर्जा का आभास होता है और हम तरोताजा महसूस करते हैं।

सदुरु की शरण में

जब अहंकार नहीं, लोभ नहीं, नफरत नहीं तो क्रोध भी नहीं होगा शांति होगी। समाज में ऐसी परिस्थितियां, ऐसे कारण हैं कि क्रोध आए बिना नहीं रहता। इसके लिए परिस्थितियां बदलनी होंगी। परंतु ऐसा नहीं हो सकता। इस दुनिया के हालात नहीं बदले जा सकते। कोई सोचता है मैं दुनिया के हालात बदल दूंगा तो मुर्खतापूर्ण विचार है। समस्या सदा रहेगी। दूसरा उपाय है हम अपने आपको बदल दें। जिन कारणों से क्रोध उत्पन्न होता है उन्हें रोकें। ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो कि हमें क्रोध करना पड़े। क्रोध क्यों आता है? एक किसी की गलती पर या अपनी हानि होने पर या आशानुसार काम न बनने पर या किसी मनुष्य को देखते ही क्रोध आ जाता है, जिसको हम पसंद नहीं करते। कुछ उपाय यहां बताते हैं। ये ठान लें आप कि धीरे ही बात करेंगे, प्रेम से ही बात करेंगे, थोड़े शब्दों में ही बात करेंगे और सोच समझ कर बोलेंगे। मीठी भाषा का प्रयोग करेंगे। क्रोध की स्थिति पैदा हो तो मन में निरंकार का सुमरिन करेंगे और निरंकार से अरदास करेंगे। हे निरंकार, इस चांडाल क्रोध को मन में न आने दें, आप हमें बचाओ। यहां सुखद वातावरण बने, प्रभु कृपा करो। आप देखेंगे वातावरण शांत हो जाएगा। आपकी बात भी सबको समझ आ जाएगी। सदुरु कहते हैं न मैं किसी की वेशभूषा बदलना चाहता हूं न खान-पान। मैं मनुष्य की वृत्ति बदलकर उसे सत्य के साथ जोड़कर एकत्व की भावना लाना चाहता हूं। अहंकार को दूर कर निरंकार प्रभु की भक्ति और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाना चाहता हूं। आज मनुष्य में विनम्रता, सहनशीलता आ जाए तो क्रोध को कोई स्थान नहीं मिलेगा। <

भारत-कोरिया साझेदारी को नई धार, सेमीकंडक्टर और एआई में बढ़ेगा सहयोग

शाश्वत तिवारी

सियोल। मंगोलिया के सफल दौरे के बाद अपने दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दक्षिण कोरिया की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा संपन्न की। वैश्विक स्तर पर तेजी से बदलते घटनाक्रमों और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच इस उच्च स्तरीय दौरे को भारत-दक्षिण कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी को एक नए स्तर पर ले जाने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजधानी सियोल पहुंचने के तुरंत बाद विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून के साथ व्यापक प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। दोनों नेताओं के बीच करीब तीन घंटे तक चली यह बातचीत अप्रैल 2026 में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की भारत यात्रा के दौरान बनी सहमतियों और फैसलों के त्वरित क्रियान्वयन पर केंद्रित थी। बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, वित्त, जहाज निर्माण (पोत निर्माण), रक्षा, उन्नत कूटनीति, प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा जैसे पारंपरिक और रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की गहन समीक्षा की। इसके अलावा, स्टार्टअप्स, फिनटेक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) के उभरते क्षेत्रों में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई गई। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अपनी इस यात्रा के दूसरे दिन डॉ. जयशंकर ने जेजू द्वीप पर आयोजित 21वें जेजू शांति एवं समृद्धि मंच में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। खंडित दुनिया में सहयोग का पुनर्निवेश थीम पर आधारित इस वैश्विक मंच को संबोधित करते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत पूरकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जहाज निर्माण, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और रक्षा कूटनीति जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। साथ ही उन्होंने ग्लोबल साउथ को अधिक क्षमताएं और अवसर प्रदान करने की वकालत की, ताकि वैश्विक विकास को नई गति मिल सके। वहीं दूसरी ओर दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री ने भारत में आयोजित हो रहे कोरिया वीक के लिए नई दिल्ली का आभार व्यक्त किया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोरियाई व्यवसायों की समस्याओं को दूर करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। दक्षिण कोरिया भी जल्द ही वहां काम कर रही भारतीय कंपनियों के लिए इसी तरह के संवाद का आयोजन करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह यात्रा न केवल भारत और दक्षिण कोरिया के द्विपक्षीय रिश्तों को समकालीन और भविष्योन्मुखी बनाएगी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की श्एक्ट ईस्ट नीति को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

वेनेजुएला त्रासदी के एक दिन बाद फिलीपींस में 6.7 तीव्रता का भूकंप

(एजेंसी)

यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, वेनेजुएला में आए जबरदस्त भूकंप में सैकड़ों लोगों की मौत के ठीक एक दिन बाद, शुक्रवार को दक्षिणी फिलीपींस के पास 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि भूकंप फिलीपींस के दक्षिणी द्वीप मिंडानाओ में 29 किलोमीटर (18.02 मील) की गहराई पर आया। तेज झटकों के अलावा, पूरे क्षेत्र में भूस्खलन और मिट्टी धंसने जैसी घटनाओं की भी आशंका है। ये भूकंप एक पर्वतीय क्षेत्र में आए, जहां पहाड़ी ढलानों से अक्सर मिट्टी या चट्टानें खिसकती रहती हैं। वहीं, कराकास के नीचे मौजूद तलछट की प्रकृति भूकंपीय तरंगों को और अधिक तीव्र कर देती है, जिससे भूकंप से होने वाला नुकसान बढ़ जाता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, वेनेजुएला में एक के बाद एक भूकंप आए थे। पहला झटका 7.2 तीव्रता का था जबकि 39 सेकंड बाद आये दूसरे भूकंप की तीव्रता 7.5 रही। क्या होता है भूकंप 'डबलेट'? 'डबलेट' भूकंप का एक ऐसा प्रकार है, जब कम समय के अंतराल पर भूकंप की अलग-अलग तीव्रता वाले झटके महसूस किये जाते हैं और पहले प्रभावित स्थान के निकट दूरी पर दूसरा भूकंप ?आता है। सामान्य भूकंप में एक बड़े भूकंप के बाद हल्के-हल्के झटके महसूस किये जाते हैं जबकि 'डबलेट' में लगभग समान तीव्रता वाले दो भूकंप एक के बाद एक आते हैं और ये आपस में कहीं न कहीं जुड़े होते हैं लेकिन भूकंप विज्ञान की दृष्टि से अलग-अलग माने जाते हैं। इसका अर्थ है कि दोनों भूकंपों से उत्पन्न भूकंपीय तरंगों के बीच समय का अंतर होता है या वे अलग-अलग स्रोतों से उत्पन्न होती हैं। वेनेजुएला में हालांकि आए इन भूकंपों के केंद्र एक-दूसरे से केवल कुछ किलोमीटर की दूरी पर थे लेकिन अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी से संकेत मिलता है कि संभवत: उनकी उत्पत्ति अलग-अलग भ्रंशों से हुई थी और उनकी प्रक्रिया भी अलग-अलग प्रकार की थी।

भारत-ईयू मानवाधिकार वार्ता: लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों पर मंथन

शाश्वत तिवारी

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने बढ़ते भू-राजनीतिक संकटों के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों पक्षों के बीच 12वीं भारत-यूरोपीय संघ मानवाधिकार वार्ता 24 जून को यहां नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में जनवरी 2025 में हुई पिछली वार्ता के बाद से क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए मानवाधिकार बदलावों की गहन समीक्षा की गई। इस वार्ता की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (पश्चिम यूरोप) पीयूष श्रीवास्तव और यूरोपीय संघ की ओर से भारत में ईयू के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने संयुक्त रूप से की। भारतीय विदेश मंत्रालय और यूरोपीय संघ (ईयू) के आधिकारिक राजनयिक मिशन (ईईएएस) द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने इस बैठक को बेहद सार्थक, स्वतंत्र और स्पष्ट (फ्री एंड फ्रैंक) बताया। इस दौरान दोनों पक्षों ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिकता और अविभाज्यता पर जोर देते हुए कई नागरिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा लैंगिक समानता, बच्चों के अधिकार, प्रवासियों की सुरक्षा और एलजीबीटीक्यूआई समुदाय के अधिकारों पर दोनों पक्षों ने अपने विचार साझा किए। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बताया बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के दौर में, वार्ता के दौरान भारत और ईयू ने सभी मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रमुख लोकतंत्रों, खुली बाजार अर्थव्यवस्थाओं, विविध समाजों और दुनिया की लगभग एक चौथाई आबादी का घर होने के नाते, भारत और ईयू ने सभी मानवाधिकारों की सार्वभौमिकता, अविभाज्यता और परस्पर जुड़ाव पर जोर दिया। इसके अलावा दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के मंचों पर भी आपसी सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। यह द्विपक्षीय मानवाधिकार संवाद अब वर्ष 2027 में आयोजित किया जाएगा।

यूएन में बोला भारत- बच्चों की शिक्षा सुरक्षित करना दान नहीं, वैश्विक कर्तव्य

शाश्वत तिवारी

न्यूयॉर्क। सशस्त्र संघर्षों के बीच बच्चों की शिक्षा की सुरक्षा को लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में दुनिया को उसकी सामूहिक जिम्मेदारी का अहसास कराया है। यूएनएससी की वार्षिक खुली बहस बच्चों और सशस्त्र संघर्ष में भाग लेते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने दोटूक कहा कि युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करना कोई खैरात या दान नहीं, बल्कि एक अनिवार्य अंतरराष्ट्रीय कर्तव्य है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत के स्थायी मिशन ने एक बयान जारी कर हरीश के इस संबोधन की जानकारी दी। भारतीय मिशन ने बताया कि कोलंबिया की अध्यक्षता में आयोजित इस विशेष चर्चा के दौरान भारत ने स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाने वाले देशों और संगठनों की जवाबदेही तय करने की मांग की। इस दौरान राजदूत हरीश ने कहा जवाबदेही के बिना बच्चों की सुरक्षा अधूरी है। जो लोग बिना किसी डर के स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाते हैं, उन्हें सजा मिलनी ही चाहिए। महासचिव की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए भारतीय राजदूत ने बताया कि संघर्ष वाले क्षेत्रों में स्कूलों पर होने वाले हमलों में महज एक वर्ष (2025) के भीतर 44 प्रतिशत की चौंकाने वाली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने बच्चों की इस दयनीय स्थिति को ष्मानवता की सामूहिक विफलता का एक पुख्ता प्रमाण करार दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्कूल केवल सीखने का स्थान नहीं हैं, बल्कि वे बच्चों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक विकास की नींव होते हैं। किसी बच्चे की शिक्षा की रक्षा करना, असल में एक देश के भविष्य की रक्षा करना है। बहस के दौरान पी. हरीश ने बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने भारत के संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख किया जो 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत द्वारा किए गए कार्यों का विवरण भी प्रस्तुत किया। भारतीय राजनयिक ने बताया कि भारत ने पड़ोसी देशों सहित कई संकटग्रस्त राष्ट्रों में स्कूलों और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों के पुनर्निर्माण में भारी निवेश किया है। साथ ही युद्ध और आपदाओं के कारण विस्थापित हुए समुदायों और शरणार्थी बच्चों की निरंतर शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी भारत लगातार काम कर रहा है। भारत ने अपने राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा प्लेटफॉर्म श्दीक्षाश् का उदाहरण पेश करते हुए बताया कि कैसे आधुनिक तकनीक के जरिए उन बच्चों तक शिक्षा पहुंचाई जा सकती है, जो युद्ध के कारण क्लासरूम से दूर हो चुके हैं।

निवेशकों की सुरक्षा के लिए सेबी का नया ड्राफ्ट

अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भी होगी जवाबदेही

(एजेंसी)

आज के दौर में सामाजिक माध्यम पर सक्रिय इंफ्लुएंसरों का असर केवल मनोरंजन या जीवनशैली तक सीमित नहीं रह गया है। लाखों लोग निवेश, बचत और वित्तीय फैसलों से जुड़ी जानकारी भी इन्हीं माध्यमों के जरिए प्राप्त कर रहे हैं। इसी बदलते माहौल को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया है, जो भविष्य में सामाजिक माध्यम प्रभावकों की भूमिका और जिम्मेदारियों को बदल सकता है। बता दें कि सेबी ने वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के विज्ञापनों के लिए एक समान विज्ञापन आचार संहिता का मसौदा जारी किया है। इस प्रस्ताव के तहत पांच लाख से अधिक अनुयायी या सदस्य रखने वाले इंफ्लुएंसरों को भी सेलिब्रिटी की श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। यह सीमा किसी एक सामाजिक माध्यम मंच पर लागू होगी। मौजूद जानकारी के अनुसार यह प्रस्ताव केवल फिल्मी सितारों तक सीमित नहीं है। सेबी ने सेलिब्रिटी की परिभाषा को व्यापक बनाने का सुझाव दिया है, ताकि डिजिटल युग में प्रभाव डालने वाले सभी प्रमुख चेहरों को एक समान नियामकीय दायरे में लाया जा सके। यदि यह नियम लागू होता है तो निवेश और वित्तीय उत्पादों के प्रचार में शामिल इंफ्लुएंसरों को भी वही जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं जो अभी तक पारंपरिक सेलिब्रिटी निभाते रहे हैं। गौरतलब है कि सेबी ने सेलिब्रिटी की पहचान के लिए आठ अलग-अलग मानदंड प्रस्तावित किए हैं। इनमें से किसी एक शर्त को पूरा करने वाला व्यक्ति या आभासी पात्र इस श्रेणी में आ सकता है। प्रस्ताव के अनुसार प्रमुख फिल्मों, धारावाहिकों, दूरदर्शन कार्यक्रमों या वेब श्रृंखलाओं में मुख्य भूमिका निभाने वाले कलाकार भी इस दायरे में शामिल होंगे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी भी सेलिब्रिटी माने जाएंगे। इसमें ओलंपिक खेल, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होने वाले क्रिकेट तथा कबड्डी जैसे खेलों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी शामिल हैं। सेबी के मसौदे में समाचार प्रस्तुतकर्ताओं और कार्यक्रम संचालकों को भी जगह दी गई है। यदि किसी व्यक्ति ने कम से कम एक सत्र या दस कड़ियों तक प्रश्नोत्तरी, समाचार, नृत्य प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, हास्य कार्यक्रम, पाक कला कार्यक्रम या पुरस्कार समारोह का संचालन किया है, तो वह भी इस श्रेणी में आ सकता है। एक अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव यह है कि राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित प्रकाशनों द्वारा जारी किसी भी लोकप्रियता सूची में शीर्ष 50 स्थानों में शामिल व्यक्ति को भी सेलिब्रिटी माना जा सकता है। इससे पारंपरिक और डिजिटल दोनों क्षेत्रों के प्रभावशाली व्यक्तियों को नियामकीय दायरे में लाने का रास्ता खुल सकता है। बता दें कि सेबी ने एआई आधारित मानव जैसे दिखने वाले आभासी इंफ्लुएंसर को भी इस परिभाषा में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। हाल के वर्षों में कई कंपनियां ऐसे डिजिटल चेहरों का उपयोग उत्पादों और सेवाओं के प्रचार के लिए कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश संबंधी सलाह और प्रचार में बढ़ती डिजिटल भागीदारी के बीच यह कदम निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत कर सकता है। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है तो सामाजिक माध्यम प्रभावकों, कलाकारों, खिलाड़ियों और अन्य सार्वजनिक हस्तियों द्वारा किए जाने वाले वित्तीय प्रचार पर अधिक निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। इससे निवेशकों को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार जानकारी मिलने की उम्मीद की जा रही है।

लंदन में बढ़ा भारत का मान, मंत्री पीयूष गोयल को मिला प्रतिष्ठित ब्रिटेन-भारत पुरस्कार

(एजेंसी)

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को 'ब्रिटेन-भारत संबंधों के उन्नयन में असाधारण नेतृत्व दिखाने' के लिए यहां एक समारोह में सम्मानित किया गया। इस समारोह में दोनों देशों की मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) पर बातचीत करने वाली टीमों को भी सम्मानित किया गया। इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) के 'यूके-इंडिया अवार्ड्स 2026' की बृहस्पतिवार को दसवीं वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर 'भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते' (सीईटीए) के लिए खुशी मनाई गई, जो 15 जुलाई से लागू होने वाला है। विशेष पुरस्कार लेते समय गोयल के साथ मंच पर ब्रिटेन के उनके समकक्ष मंत्री पीटर काइल और आईजीएफ के संस्थापक मनोज लाडवा भी मौजूद थे। गोयल ने इस मौके पर कहा, ''मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह सफल होगा और यह सीईटीए भविष्य में कई अन्य मुक्त व्यापार समझौतों के लिए एक आदर्श बनेगा।'' उन्होंने कहा, ''यह केवल शुल्क और मूल संबंधी नियमों के बारे में नहीं है, न ही यह केवल वस्तुओं और सेवाओं के बारे में है, यह तकनीक, शिक्षा, संस्कृति और कला के क्षेत्रों में सहयोग के बारे में है। इसका उद्देश्य दोनों देशों की बेहतरीन खूबियों को एक-दूसरे तक पहुंचाना है।'' गोयल ने कहा, ''यह एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और बहुत संतुलित समझौता है। हो सकता है कि हमने हर वाक्य और हर एक उत्पाद पर बहस की हो, लेकिन निष्पक्षता और आपसी समझ की भावना के साथ, एक-दूसरे के हितों और चिंताओं का ध्यान रखते हुए ऐसा किया। इसलिए, मैं उन वार्ताकार टीमों की सराहना करना चाहता हूं जिन्होंने वर्षों तक कड़ी मेहनत की है।'' सीईटीए को लागू करने संबंधी तैयारियों का जायजा लेने के लिए तीन दिन की ब्रिटेन यात्रा पर आए गोयल ने इससे पहले एक स्वागत समारोह में भाग लिया, जिसमें भारत और ब्रिटेन दोनों देशों के उद्यमियों और निवेशकों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

कोरिया से जापान तक के बाजारों में भूचाल, कोस्पी में 8 : की गिरावट, छपाामप 5 : टूटा

(एजेंसी)

एशियाई शेयर बाजारों में तकनीकी शेयरों की वैश्विक बिकवाली तेज होने के कारण भारी गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क ज्ञव्ेच्प् 8: से अधिक गिर गया, जिससे सर्किट ब्रेकर सक्रिय हो गया। वहीं, जापान का निक्केई लगभग 5: गिर गया, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के शेयरों में आई तेजी के अत्यधिक बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। दक्षिण कोरिया का ज्ञव्ेच्प् 8.2: गिर गया, जिसके बाद बाजार में भारी गिरावट के चलते अधिकारियों को 20 मिनट के लिए प्रोग्राम ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। जापान का निक्केई 225 5: गिरा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 2.4: नीचे आया। चीन का ब्लू-चिप ब्ै300 सूचकांक 2.9: फिसल गया और शंघाई कंपोजिट 2: से अधिक गिर गया। शुक्रवार की यह गिरावट 23 जून को एशियाई बाजारों में हुई व्यापक बिकवाली के बाद आई है। जापान को छोड़कर व्यापक एमएससीआई एशिया-प्रशांत सूचकांक में 3.8: की गिरावट आई, जिससे यह इस तिमाही की शुरुआत में असाधारण तेजी के बाद एक साल से अधिक समय में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट की ओर अग्रसर है। वॉल स्ट्रीट में रात भर में हुई भारी गिरावट के बाद यह बिकवाली हुई, जहां एप्पल ने मेमोरी और स्टोरेज चिप की बढ़ती लागतों की भरपाई के लिए आईपैड और मैकबुक की कीमतों में वृद्धि की घोषणा के बाद अपने बाजार मूल्य में लगभग 250 अरब डॉलर का नुकसान किया।

कच्चे तेल में गिरावट का असर, सरकार का संकेत- अब सस्ता हो सकता है हवाई सफर

(एजेंसी)

पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण विमान ईंधन महंगा हो गया था, जिसका सीधा असर हवाई किरायों पर पड़ा। हालांकि अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है और ऐसे में यात्रियों के लिए राहत की उम्मीद भी बढ़ने लगी है। बता दें कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने संकेत दिए हैं कि यदि विमान ईंधन की कीमतों में मौजूदा गिरावट लंबे समय तक बनी रहती है तो सरकार विमान कंपनियों से अतिरिक्त शुल्क और बढ़े हुए किरायों की समीक्षा करने को कह सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार विमान ईंधन की कीमतों पर नजर रख रही है और इस विषय पर विमान कंपनियों के साथ बातचीत भी जारी है। मौजूद जानकारी के अनुसार हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थीं। इसके चलते विमान टरबाइन ईंधन की लागत में भी भारी बढ़ोतरी हुई थी। ईंधन लागत बढ़ने के बाद कई विमान कंपनियों ने अतिरिक्त शुल्क जोड़कर यात्रियों पर बढ़े हुए खर्च का बोझ डाला था। अब जबकि कच्चे तेल की कीमतें युद्ध पूर्व स्तरों के करीब पहुंच रही हैं, सरकार यह आकलन कर रही है कि इसका लाभ यात्रियों तक किस प्रकार पहुंचाया जा सकता है। गौरतलब है कि विमान टरबाइन ईंधन की कीमतों की समीक्षा हर पंद्रह दिन में की जाती है। यह समीक्षा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव के आधार पर होती है। मंत्री ने कहा कि अभी यह देखना जरूरी है कि कीमतों में आई गिरावट स्थायी है या केवल अस्थायी बदलाव है। यदि कीमतों में स्थिरता बनी रहती है, तभी किराए और अतिरिक्त शुल्कों में कटौती पर गंभीर चर्चा की जाएगी। के. राम मोहन नायडू ने कहा कि पिछले चार महीने विमानन क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहे हैं। इस दौरान ईंधन लागत और वैश्विक परिस्थितियों ने उद्योग पर काफी दबाव डाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार और विमान कंपनियां मिलकर स्थिति का मूल्यांकन कर रही हैं और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित होने के बाद यात्रियों को राहत देने की दिशा में कदम उठाए जा सकते हैं। बता दें कि विमानन क्षेत्र को सहारा देने के लिए सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये का मूल्य स्थिरीकरण कोष भी बनाया है। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया संकट जैसी परिस्थितियों में विमान कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इसके अलावा सरकार ने घरेलू अनुसूचित विमान सेवाओं के लिए विमान ईंधन की कीमतों पर सीमा निर्धारित करने, हवाई अड्डा शुल्कों में कमी करने और आपातकालीन ऋण सहायता योजना के तहत समर्थन देने जैसे कदम भी उठाए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आने वाले महीनों में कच्चे तेल और विमान ईंधन की कीमतें नियंत्रित रहती हैं तो विमान कंपनियों पर लागत का दबाव कम होगा। ऐसे में अतिरिक्त शुल्कों में कटौती और टिकट कीमतों में कमी की संभावना बढ़ सकती है। हालांकि अंतिम फैसला बाजार की परिस्थितियों और ईंधन कीमतों की दीर्घकालिक दिशा पर निर्भर करेगा। फिलहाल यात्रियों और विमानन क्षेत्र दोनों की नजर सरकार और विमान कंपनियों के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।